जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:181 दिनांक: 12-06-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल के लोकसभा चुनाव में 'नफरत, हिंसा और अहंकार के खिलाफ मतदान' करने के लिये जनता को धन्यवाद देते हुए मंगलवार को दावा किया कि अगरप्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़तीं तो प्रधानमंत्री मोदी दो-तीन लाख वोट से हार जाते।

सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त किया है। वह 30 जून को वर्तमान सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे।

लोकसभा स्पीकर पद के चुनाव में शक्ति परीक्षण , भाजपा ओम बिरला को स्पीकर बनाने के पक्ष में

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा के अध्यक्ष पद को लेकर टीडीपी, भारतीय जनता पार्टी के ऊपर बड़ा दबाव बना रही है। चंद्रबाबू नायडू ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था। अध्यक्ष पद अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में भी, टीडीपी के पास था। इस कार्यकाल में भी उनका ही अध्यक्ष होगा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी के पुत्र, जीएम हरीश मधुर तेलुगु देशम पार्टी से चुनाव जीतकर संसद में पहुंचे हैं। तेलुगु देशम पार्टी उन्हें लोकसभा का अध्यक्ष बनाना चाहती है। यह दलित नेता भी हैं।

वहीं भारतीय जनता पार्टी हर हालत में ओम बिरला को लोकसभा का अध्यक्ष बनाना चाहती है। तेलुगु देशम पार्टी यदि इसके लिए तैयार नहीं हुई, ऐसी स्थिति में तुरूप के पत्ते के रूप में भारतीय जनता पार्टी पुरंदेश्वरी देवी का नाम आगे बढ़ा सकती है। मनमोहन सरकार में वह मंत्री रह चुकी हैं।तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक रामाराव नायडू की बेटी हैं। चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की बहन है। तेलुगु देशम पार्टी को उनके नाम पर सहमत कराने का प्रयास भाजपा के नेता कर रहे हैं। एनडीए के सहयोगी दल चाहते हैं। अध्यक्ष पद पर सहयोगी दलों का अधिकार हो। दलबदल जैसे मामलों में अध्यक्ष की भूमिका बड़ी निर्णायक होती है। सदन के कामकाज में भी अध्यक्ष के निर्णय बड़े महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसी स्थिति में चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष के पुत्र हरीश मधुर का नाम आगे बढ़ाया है। चंद्रबाबू नायडू के यह विश्वसनीय है। इस नाम पर भाजपा तैयार नहीं हो रही है।

परंपरा के अनुसार सत्ता पक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नाम को लेकर इंडिया गठबंधन के साथ आम सहमति बनने पर प्रयास कर रही है। इंडिया गठबंधन अध्यक्ष पद के लिए ओम बिरला के नाम पर सहमत नहीं है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी उपाध्यक्ष पद के लेनदेन को लेकर, ओम बिरला के नाम पर सहमति बनना चाहती है।सहयोगी दलों और इंडिया गठबंधन के दलों का अध्यक्ष पद के चुनाव में आम राय से सहमति बन जाए। इसलिए सरकार उपाध्यक्ष पद कांग्रेस को देने के लिए तैयार दिख रही है।

अगले सप्ताह लोकसभा का सत्र बुलाया जा सकता है। इसमें सभी नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलवाई जाएगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में कांग्रेस के कोडीकुन्निल सुरेश सातवीं बार के चुने हुए सबसे वरिष्ठ सांसद हैं। भाजपा के वीरेंद्र कुमार सातवीं बार निर्वाचित हुए हैं। लेकिन वह कैबिनेट मंत्री बन गए हैं। ऐसी स्थिति में प्रोटेम स्पीकर कोडिकुन्निल का बनना तय माना जा रहा है। प्रोटेम स्पीकर सभी सदस्यों को शपथ दिलाने और लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कराते हैं। जैसे ही नए अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा।उसके बाद प्रोटेम स्पीकर की भूमिका समाप्त हो जाती है।

मोहन माझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

-कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा होंगे डिप्टी सीएम

भुवनेश्वर(ईएमएस)। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में तीनों के नाम की घोषणा की। शपथ 12 जून को होगा।

मोहन चरण माझी क्योंझर से 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 विधानसभा चुनाव में बीजद की वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। इसके अलावा वे 2019, 2009 और 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। कनक वर्धन सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

ओडिशा में पहली बार भाजपा को बहुमत

ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की है। राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिली हैं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को 51, कांग्रेस को 14, सीपीआईएम को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट का नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार

कहा- गड़बड़ियों से परीक्षा की विश्वसनीयता को चोट पहुंची, हमें जवाब चाहिए; एनटीए को नोटिस

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। ये याचिका छात्रा शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों ने रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर की थी। इसमें बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की गई थी और परीक्षा रद्द कर एसआईटी जांच की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने परीक्षा कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए से कहा- नीट यूजी की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। हमें इसका जवाब चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में 10 जून को भी नीट रिजल्ट पर रोक लगाने की याचिका दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने नीट त्र एग्जाम 2024 में ग्रेस मार्क्स देने में मनमानी का आरोप लगाया है। एक एग्जाम सेंटर के 67 कैंडिडेट्स को पूरे 720 मार्क्स मिले हैं, इस पर भी याचिकाकर्ताओं ने संदेह जताया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर नई याचिका में 5 मई को आयोजित नीट त्र एग्जाम का पेपर लीक होने की व्यापक शिकायतों का भी हवाला दिया गया है।

अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी

जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की वेकेशन बेंच ने मामले की सुनवाई की। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी।

20 हजार स्टूडेंट्स ने की है शिकायत

देश भर में नीट-यूजी 2024 को लेकर अलग-अलग राज्यों में लगभग 20 हजार स्टूडेंट्स ने याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत की गई थी। ग्रेस मार्क्स के खिलाफ दायर की गई याचिका में कहा गया है कि एनटीए ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स देने के लिए क्या तरीका अपनाया है। वहीं, एग्जाम के पहले एनटीए की तरफ से जारी की गई इन्फॉर्मेशन बुलेटिन में भी ग्रेस मार्क्स देने के प्रावधान का जिक्र नहीं किया गया था। ऐसे में कुछ कैंडिडेट्स को ग्रेस मार्क्स देना सही नहीं है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर पुलिस महानिरीक्षक ने ली हाईलेवल बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू के रियासी में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है। हमले के बाद अमरनाथ यात्रा को लेकर भी काफी चिंताएं उठने लगी है। जिसके बाद अमरनाथ यात्रा से पहले कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में महीने के अंत में मनाए जाने वाले मेला खीर भवानी और ईद-उल-अजहा के त्यौहारों के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में रेंज डीआईजी, जिला एसएसपी और पीसीआर कश्मीर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जिला पुलिस प्रमुखों ने आईजीपी कश्मीर को समग्र सुरक्षा परिदृश्य के बारे में जानकारी दी और आगामी कार्यक्रमों के लिए तैयारियां की गईं।

मेला खीर भवानी उत्सव गंदेरबल जिले के अलावा घाटी के विभिन्न मंदिरों में भी मनाया जाएगा। कानून एवं व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की गई। आगामी ईद-उल-अजहा के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर भी सभी सहभागी अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। आईजीपी कश्मीर ने अधिकारियों को ड्रोन और सीसीटीवी का उपयोग करके असामाजिक/राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने और चौबीसों घंटे नाका/कटऑफ प्वाइंट स्थापित करने का निर्देश दिया।

जनता ने झूठ और अहंकार के खिलाफ दिया वोट - राहुल गांधी

रायबरेली में आयोजित आभार रैली में बोले

रायबरेली(ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 के चुनाव में जनता ने हिंसा, झूठ और अहंकार के खिलाफ वोट किया है। भाजपा के लोग संविधान को बदलने की बात कर रहे थे पर जनता ने उन्हें संविधान को माथे से लगाने के लिए मजबूर कर दिया है।

राहुल ने कहा कि यूपी की जनता ने नरेंद्र मोदी को संदेश दे दिया है कि हमें आपका विजन पसंद नहीं आया है क्योंकि वो कुछ उद्योगपति के लिए काम करते हैं। जनता ने बता दिया है कि वो नफरत के खिलाफ है। बेरोजगारी के खिलाफ हैं। रायबरेली की जनता ने इस बदलाव की शुरुआत हुई है।

प्रियंका वाराणसी से लड़तीं तो मोदी हार जाते

राहुल ने कहा कि इस बार जैसे प्रियंका ने कहा कांग्रेस एक होकर लड़ी, समाजवादी पार्टी को धन्यवाद, उनका हर कार्यकर्ता हमारे कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लड़ा। पहली बार देखा इंडिया गठबंधन का हर कार्यकर्ता एक साथ खड़े होकर लड़ा। पहले शिकायत आती थी की यहां उन्होंने मदद नही की, लेकिन इस बार गठबंधन के साथी एक इंच पीछे नहीं हटे। देश की आत्मा को समझ आया, की मोदी शाह संविधान को खत्म करना चाहते हैं। राहुल ने कहा कि मोदी-शाह देश की नींव के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसलिए देश एकजुट हो गया। पहली बार देखा देश का प्रधानमंत्री हिंसा की राजनीति कर रहा है।

जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि रायबरेली व अमेठी लोकसभा सीट पर जीत कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इस जीत से साबित हो गया है कि प्रदेश व देश के लोग साफ सुथरी राजनीति चाहते हैं। ये सब आप कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। दोनों सीटों पर जीत के लिए राहुल-प्रियंका कार्यकर्ताओं को आभार जताने के लिए पहुंचे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी रायबरेली के सांसद हैं। आप सभी को बहुत बधाई। आप सबने कठिन परिस्थितियों में लड़ाई लड़ी। किशोरी लाल को कमी महसूस नहीं होने दी। दोनों जिलों के जिलाध्यक्ष को बहुत-बहुत धन्यवाद।

24 जून से 3 जुलाई तक हो सकता संसद का विशेष सत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का विशेष सत्र 24 जून से 3 जुलाई तक हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि 18वीं लोकसभा के लिए चुने गए नवनिर्वाचित सांसद 24 और 25 जून को शपथ ले सकते हैं। इसके अलावा लोकसभा स्पीकर का चुनाव 26 जून को होने की संभावना है।

केंद्र की तरफ से पहले लोकसभा के अध्यक्ष के पद के लिए एक सांसद का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। मोदी सरकार के प्रस्ताव को अगर विपक्ष सर्वसम्मति से स्वीकार कर लेता है, तब चुनाव नहीं होगा। ऐसा नहीं होता है, तब विपक्ष भी अपनी ओर से एक उम्मीदवार खड़ा कर सकता है।

वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों यानी लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को भी संबोधित कर सकती हैं। राष्ट्रपति मुर्मू अभिभाषण के जरिए केंद्र की मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के एजेंडे को पेश करेंगी। वहीं, कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल संसद के विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार को कई मुद्दों को लेकर घेर सकती है। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा विवाद को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा था कि मैं संसद में छात्रों की आवाज बनूंगा।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी होंगे अगले सेना प्रमुख

नई दिल्ली। नैं"स्र ण्प्रः सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त किया है। वह 30 जून को वर्तमान सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे।

उपेंद्र द्विवेदी फिलहाल उप सेना प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मालूम हो कि उपेंद्र द्विवेदी ने लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर में सेवाएं दी हैं। इसी साल 19 फरवरी को उपेंद्र द्विवेदी ने थल सेना के उपप्रमुख का पदभार ग्रहण किया था। 30 जून को लेंगे मनोज पांडे की जगह ।

ना नेता खुश हैं, ना शपथ लेने वाले खुश हैं और न ही जनता खुश है - अखिलेश यादव

इटावा (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बेशक केंद्र में नया मंत्रिमण्डल गठित कर लिया गया है, लेकिन इस सरकार के बनने से कोई भी खुश नहीं है।

अखिलेश यादव ने इटावा जिले के अपने पैतृक गांव सैफई में संवाददाताओं से बातचीत में केन्द्र में राजग की लगातार तीसरी बार सरकार बनने के सवाल पर कहा, बेशक राजग ने नये मंत्रिमंडल का गठन कर लिया है लेकिन सरकार गठन से कोई खुश नहीं है। उन्होंने कहा, हर तरफ मायूसी सी साफ दिखाई दे देती है। चेहरों पर वह खुशियां नहीं हैं। सरकार के गठन से कोई खुश नहीं है। ना नेता खुश हैं, ना शपथ लेने वाले खुश हैं और न ही जनता खुश है।

यादव ने कहा, आगे आने वाले समय में सब कुछ बदला दिखाई देगा। सपा प्रमुख ने कहा, इस लोकसभा चुनाव में हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करने वालों को जनता ने करारा सबक सिखाया है। हमें यह नहीं भूलना है कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के तहत दलित, पिछड़े, आदिवासी, गरीब, वंचित, अल्पसंख्यक, कामगारों, युवाओं और मेहनतकश लोगों ने एक साथ मिलकर संविधान बचाने का काम किया है। इन सभी को हमें साथ लेकर आगे चलना है।

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में खाली पदों को भरे जाने के काम में तेजी लाये जाने पर यादव ने कहा, यह बहुत अच्छी बात है। अब बहुत जल्द ही अग्निवीर व्यवस्था भी खत्म होगी। दिल्ली में केन्द्र की सरकार भी यह फैसला लेगी कि जो सरकारी पद खाली हैं, उन पर जल्द ही युवाओं को भर्ती किया जाए। यादव ने कन्नौज से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद करहल सीट से विधानसभा सदस्यता छोड़ने के संकेत देते हुए मंगलवार को कहा कि वह बहुत जल्द विधानसभा को इसकी जानकारी दे देंगे।

चीन और पाकिस्तान के साथ आने वाले सालों में विवादों को सुलझाने पर देंगे जोर

-नई सरकार में दोबारा एस जयशंकर ने कार्यालय पहुंच संभाला विदेश मंत्री का पदभार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नई सरकार में भारत के एक बार फिर विदेश मंत्री बने एस जयशंकर ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय के कार्यालय पहुंचकर विदेश मंत्री के तौर पर कार्य भार को संभाला है। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से मुलाकात की। मीडिया कर्मियों के पीओके के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरे मुंह में शब्द ना डालें। जयशंकर ने कहा कि भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भारत को दोस्त की नजर से देख रही है। भारत जो संकट की घड़ी में दुनिया के देशों के साथ खड़ा रहता है। उन्होंने नवाज शरीफ की बधाई संदेश को लेकर भी कहा और बताया कि पीएम मोदी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रिप्लाई किया गया है।

पाकिस्तान और चीन के साथ आने वाले पांच सालों में रिश्तों पर जयशंकर ने कहा कि हम विवादों को सुलझाने पर जोर दे रहे हैं। भारत में राजनीतिक स्थिरता है जिसका उदाहरण लगातार तीन बार की मोदी सरकार दे रही है। चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते थोड़े अलग है। यही कारण है कि दोनों देशों के साथ समस्याएं भी अलग हैं। चीन के साथ आने वाले सालों में हम सीमा मुद्दा खत्म करने की कोशिश करेंगे तो वहीं पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद और आतंकवाद का समाधान भी ढूंढा जाएगा।

विदेश मंत्रालय की कमान एक बार फिर मिलने पर उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलना बड़ी बात है। ये सम्मानजनक है। बीते कार्यकाल में मंत्रालय ने अच्छा काम किया। जी20 की अध्यक्षता की, वैक्सीन मैत्री आपूर्ति की, कोविड की चुनौतियों का सामना किया। हम ऑपरेशन गंगा और ऑपरेशन कावेरी जैसे अहम रेस्क्यू ऑपरेशन विदेशों में भी चलाए। बीते एक दशक में पीएम मोदी के नेतृत्व में मंत्रालय ने जन केंद्रित काम किए हैं। इसके जरिए बेहतर पासपोर्ट सेवा, सामुदायिक कल्याण निधि सहायता के तौर पर देखा जा सकता है। हम ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसपर लोग भरोसा करते हैं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों ने की फायरिंग, एक दहशतगर्द ढेर; सुरक्षाबलों ने घेरा इलाका

जम्मू ,जम्मू संभाग के कठुआ जिले के हीरानगर इलाके के सैडा सोहल गांव में मंगलवार की रात मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। आतंकियों ने एक घर में घुसकर परिवार वालों को बंधक बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर फायरिंग की। इसके बाद किसी तरह से परिवार वालों ने घर से निकलकर सुरक्षा बलों को सूचना दी। पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। एडीजीपी जम्मू आनंद जैन ने एक आतंकी के मारे जाने की पुष्टि की है। ऑपरेशन जारी है। बताते हैं कि यह गांव कठुआ व सांबा जिले के बॉर्डर पर है। अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से लगभग 15 किलोमीटर दूर इस गांव में शाम को लगभग पौने आठ बजे ग्रामीणों ने संदिग्ध लोगों की हरकत देखी। इस दौरान दो आतंकी एक घर में घुस गए और खाना मांगने लगे। परिवार वालों ने उनके पास के सामान को लेकर ओपत्ति जताई तो धमकी देते हुए दो तीन चक्र गोलियां चलाईं। इस पर परिवार वाले चुप हो गए।

किसी तरह वह खाने का बंदोबस्त करने की बात कहते हुए घर के पिछले दरवाजे से बाहर निकल गए। बाद में उन्होंने सुरक्षा बलों को आतंकियों की मौजूदगी की सूचना दी। सूचना मिलते ही कठुआ, सांबा व जम्मू से सुरक्षा बलों की टीमें ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान एक आतंकी को मारने में सफलता मिली है। एक अन्य आतंकी घर में ही मौजूद है। पुलिस और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर निगरानी कर रहे हैं। फायरिंग स्थल से कुछ दूरी पर बुआदात्ती देवस्थान पर कथा सुनने पहुंचे 13 लोग फंसे हुए हैं। इनमें महिलाएं व बच्चे हैं। सभी एक कमरे में बंद हैं। सभी परिवार की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। मैं अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास हीरानगर सेक्टर के सैदा गांव में एक घर पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर डीसी कठुआ राकेश मिन्हास के साथ लगातार ऑनलाइन संपर्क में हूं। मैं एसएसपी कठुआ अनायत अली चौधरी के भी संपर्क में हूं जो मौके पर हैं। जिस घर पर हमला हुआ उसके मालिक भी मोबाइल फोन पर संपर्क में हैं। संयुक्त पुलिस और अर्धसैनिक बल का ऑपरेशन चल रहा है। अब तक एक आतंकवादी मारा गया है। मैं और मेरा कार्यालय लगातार संपर्क में हैं और घटनाक्रम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं।

बता दें कि दो दिन पहले रविवार को ही रियासी में आतंकियों ने घात लगाकर तीर्थयात्रियों की बस को निशाना बनाया था।

भारत आएगी 500 साल पुरानी मूर्ति

नई दिल्ली(ईएमएस)। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को 500 साल पुरानी एक कांसे की मूर्ति लौटाने वाली है। यह मूर्ति संत तिरुमंगई अलवार की है, जो 16वीं सदी के दौरान तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हो गई थी। संत तिरुमंगई अलवार दक्षिण भारत के 12वें अलवर संतों में से अंतिम थे। फिलहाल यह मूर्ति ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एशमोलियन म्यूजियम में रखी गई है, जिस देखने के लिए लगभग 1800 रुपए देने पड़ते हैं। संत तिरुमंगई अलवार की यह मूर्ति 1 मीटर ऊंची है। इसे 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में रखवाया था।

मोदी कैबिनेट गठन के बाद राज्यों को मिला 1,39,750 करोड़,मप्र को मिले 10,970 करोड़

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र ने जून के लिए राज्यों को 1,39,750 करोड़ रुपए का टैक्स डिवोल्यूशन (कर हस्तांतरण) जारी करने की मंजूरी दे दी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि डिवोल्यूशन अमाउंट की नियमित रिलीज के अलावा, एक अतिरिक्त किस्त जारी करने का भी फैसला लिया है। नई किस्त में सबसे ज्यादा टैक्स डिवोल्यूशन पाने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश (25069 करोड़) पहले नंबर पर है। बिहार को (14056 करोड़) दूसरे नंबर पर और मप्र (10970 करोड़) तीसरे नंबर पर है। सबसे कम सिक्किम (542 करोड़) है।

टैक्स डिवोल्यूशन यानी, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच टैक्स रेवेन्यू का डिस्ट्रीब्यूशन। यह केंद्र और राज्यों के बीच कुछ टैक्सों से होने वाली कमाई को उचित और न्यायसंगत तरीके से अलॉकेट करने के लिए स्थापित एक कॉन्स्टिटयूशनल मैक्निज्म है। अभी केंद्र सरकार जो भी टैक्स कलेक्ट करती है उसका 41 प्रतिशत राज्यो को एक वित्त वर्ष में 14 किश्तों में वितरित करती है। वित्त वर्ष 2024-25 में जून महीने के लिए जारी गई इस राशि के साथ कुल 2 लाख 79 हजार 500 करोड़ रुपए राज्यों को दिए गए हैं।

राज्यों के विकास पर खर्च होती है राशि

देश के सभी राज्यों का विकास बराबरी से हो इसके लिए वित्त आयोग फंड बांटता है। इसके लिए एक फॉर्मूला अपनाता है। इसमें फिस्कल कैपिसिटी, फिस्कल डिसिप्लिन, राज्य की जनसंख्या, राज्य का क्षेत्रफल ध्यान में रखा जाता है। इसके कारण यूपी, एमपी, बिहार जैसे राज्यों को ज्यादा पैसा मिलता है। मोदी 3.0 सरकार के कैबिनेट के गठन के बाद विभागों का 10 जून की शाम बंटवारा हो गया। वित्त मंत्रालय एक बार फिर से निर्मला सीतारमण के हिस्से आया है। विभाग बंटवारे के तुरंत बाद ही वित्त मंत्री ने निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ को 4,761, गुजरात को 4,860, हरियाणा को 1,527, महाराष्ट्र को 8,828, राजस्थान को 8,421, तमिलनाडु को 5,700, पश्चिम बंगाल को 10,513, हिमाचल को 1,159 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसी तरह अन्य राज्यों को भी उनके हिस्से की राशि दी गई है।

भारतीय सेना जल्द ही जारी करेगी जगहों की लिस्ट के साथ एलएसी का नया मैप,तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलेगा भारत

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के पद संभालते ही भारत ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन को काउंटर करने के लिए भारत अब तिब्बत की 30 से ज्यादा जगहों के नाम बदलने जा रहा है। भारतीय सेना जल्द ही जगहों की लिस्ट के साथ एलएसी का नया मैप जारी करेगी। दरअसल, चीन ने अप्रैल में अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले थे। चीन की सरकार इन इलाकों को अपना क्षेत्र बताती है। ड्रैगन की इसी हरकत का जवाब देने के लिए भारत सरकार ने यह फैसला लिया है।

तिब्बत के इलाकों का नाम बदलने के लिए काफी रिसर्च की गई थी। इस दौरान इन जगहों के भारत की भाषा में पुराने नामों को आधार बनाकर नए नाम रखे गए हैं। भारतीय सेना की इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर डिविजन को इलाकों के नाम बदलने का जिम्मा सौंपा गया था। यह वही डिविजन है, जो गहरी रिसर्च के बाद चीन की तरफ से रखे गए अरुणाचल प्रदेश के इलाकों के नए नामों को भी खारिज करता है। नए नामों की लिस्ट को जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना ने पिछले कुछ हफ्तों में अरुणाचल प्रदेश के उन इलाकों का दौरा भी किया, जिन्हें चीन अपना बताता है। इस दौरान पत्रकारों के जरिए क्षेत्रीय लोगों से भी बात की गई। उन्होंने चीन के दावों को खारिज करते हुए खुद को भारतीय नागरिक कहा।

चीन ने 30 जगहों के नाम बदले थे

चीन ने 1 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की 30 जगहों के नाम बदल दिए थे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इनमें 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, एक तालाब और एक पहाड़ों से निकलने वाला रास्ता था। हालांकि, इन जगहों के नाम क्या रखे गए हैं, इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। इन नामों को चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किया था। पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ था जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदले। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे। अरुणाचल में बढ़ते चीनी दखल और यहां की जगहों के नाम बदले जाने पर भारत कहता आया है कि अरुणाचल हमारा हिस्सा है। अप्रैल 2023 में विदेश मंत्रालय ने कहा था- हमारे सामने चीन की इस तरह की हरकतों की रिपोर्ट्स पहले भी आई हैं। हम इन नए नामों को सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का आतंरिक हिस्सा था, हिस्सा है और रहेगा। इस तरह से नाम बदलने से हकीकत नहीं बदलेगी।

अयोध्यावासियों पर आपत्ति जनक टिप्पणी की तो होगी जेल!

अयोध्या (ईएमएस)। फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी को मिली हार के बाद सोशल मीडिया पर लगातार अयोध्यावासियों के खिलाफ भद्दी और आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। इन स्थितियों को देख पुलिस सतर्क हो गयी है। जिसके बाद माहौल खराब करने वाली आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों पर केस दर्ज करके जेल भेजने तक के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या से भाजपा की हार के बाद अयोध्यावासियों को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां हो रही हैं। लोग उन्हें गद्दार, धोखेबाज, राम विरोधी जैसे तमाम आपत्तिजनक व अपमानजनक शब्दों से संबोधित कर रहे हैं। इसे लेकर विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर इसकी प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो कुछ लोगों ने शिकायत भी दर्ज कराई है। वहीं इस रवैये से माहौल खराब होने का अंदेशा बढ़ गया है। इसे देखते हुए जिले की पुलिस भी अलर्ट हो गई है। अमन-चैन में खलल पैदा करने वालों पर निगाह तेज की गई है। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर कई सोशल मीडिया अकाउंट को चिह्नित किया गया है। उनकी पोस्ट और उस पर आने वाली टिप्पणियों की निगरानी की जा रही है।

आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि कुछ अराजक किस्म के लोग आपत्तिजनक पोस्ट करके माहौल बिगाड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। उन्हें चिह्नित करके उनके सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला जा रहा है। कोई भी पोस्ट विधिसम्मत न होने पर संबंधित के खिलाफ केस दर्ज करके कठोर कार्रवाई की जाएगी। कुछ मामलों में शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज भी किया गया है। लोगों से अपील है कि वह शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करें और किसी तरह के आपत्तिजनक पोस्ट वायरल होने पर शिकायत दर्ज कराएं।

महाराष्ट्र में अजीत-शिंदे को लगेगा झटका, 25 से ज्यादा विधायक-सांसद छोड़ेंगे साथ

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की करारी पराजय और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की शानदार जीत के बाद अब राकांपा और शिवसेना छोडक़र गए 25 से ज्यादा विधायक और सांसद वापस पार्टी में लौटने को तैयार हैं। राकांपा (शरद पवार) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अजीत पवार के साथ गए विधायक और सांसद वापस पार्टी में लौटना चाहते हैं। वहीं शिवसेना छोडक़र एकनाथ शिंदे के साथ गए कई विधायक और सांसद भी वापस शिवसेना में लौटना चाहते हैं। महाराष्ट्र में कुछ माह में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में शिंदे और अजीत पवार गुट के विधायक और सांसद दोबारा अपनी पार्टी में लौटते हैं तो विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए को बड़ा झटका लग सकता है।

नडडा और शिवराज आऊट ,अध्यक्ष की रेस में ये चार नाम इन

नई दिल्ली (ईएमएस)। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार एनडीए की सरकार बन गई है। इस बार बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी कैबिनेट में ज

जन हितैषी

अहंकार और मर्यादा पर संघ प्रमुख के विचार, चर्चाओं में

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित कार्यकर्ता विकासवर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर आम सहमति के महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होंने मणिपुर में पिछले 1 वर्ष से जो हिंसा हो रही है। उस पर चिंता ज़ाहिर की। निश्चित रूप से उन्होंने सरकार से पूछा है, कि वहां की जमीनी हकीकत पर कौन ध्यान देगा। मणिपुर के मामले को प्राथमिकता से निपटने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, जो बड़ा सेवक होता है। वह मर्यादा के साथ चलता है। मर्यादा में रहते हुए कर्म का पालन करता है। वह कर्मों से लिपटा नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि कर्म करने के बाद जिसे अहंकार नहीं आता है, वही सेवक बनने का अधिकारी होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने यह बयान तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने के बाद दिया है। जब तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता की बागडोर संभाल रहे है। उनकी नसीहत शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए थी। चुनाव को युद्ध की नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जाना चाहिए। चुनाव के दौरान जिस तरह से मर्यादाओं का उल्लंघन किया गया है। उस पर उन्होंने दोनों पक्षों को सबक देते हुए कहा, जो वर्तमान में हो रहा है। वह सामाजिक विभाजन पैदा कर रहा है। इसमें संघ को अकारण घसीटा जा रहा है। मोहन भागवत ने कहा वह प्रतिपक्ष को विरोधी नहीं मानते हैं। प्रतिपक्ष भी एक पक्ष को उजागर करता है। सभी विचारों पर विचार विमर्श होना ही चाहिए। चुनाव के लिए आवश्यक शिष्टाचार का होना जरूरी है। इस लोकसभा के चुनाव में किसी भी पक्ष द्वारा मर्यादा का पालन नहीं किया गया। मोहन भागवत ने यह भी कहा, सरकार और प्रतिपक्ष के बीच प्रति स्पर्धा होती है, दुश्मनी नहीं। दोनों का उद्देश्य आम सहमति बनाते हुए समाज कल्याण का काम करना होता है। मतभेदों के बावजूद भी हम सभी को एक साथ चलना होता है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। सभी को भविष्य के बारे में सोचना होगा। मणिपुर में जैसी हिंसा हो रही है, उसे रोकना होगा। मणिपुर की बंदूक संस्कृति जो पिछले कई माहों में पनपी है। इससे निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हमेशा से हिंदू महासभा, जनसंघ, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के ऊपर वैचारिक और अप्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण रहा है। आज भारत में संघ के 90 से ज्यादा अनुवांशिक संगठन काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में संघ की, सत्ता पर पकड़ बहुत कमजोर हुई है। संघ और उनके अनुवांशिक संगठन सत्ता में आने के पहले जिन बातों की आलोचना करते थे। वर्तमान में हुए विपरीत काम कर रहे हैं। किसानों, मजदूरों, स्वदेशी जागरण मंच इत्यादि के माध्यम से जब भाजपा सत्ता में नहीं थी, तब क्या कहते थे। आज क्या कर रहे हैं। यह जनता भी देख और समझ रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो कहा है। निश्चित रूप से उसका पालन करने की जिम्मेदारी सबसे पहले सत्ता पक्ष की होती है। केंद्र में 2014 से भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला हुआ है। पिछले 10 सालों के कार्यकाल में जिस तरह से कांग्रेस मुक्त भारत विपक्ष मुक्त भारत, एक राष्ट्र एक चुनाव, 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश, रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश का प्रवेश पिछले 10 सालों में जिस तरह से हुआ है। धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर सामाजिक वेमनष्यता, संवैधानिक संस्थानों पर सत्ता का दबाव बना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने समय रहते अपने प्रभाव का इस्तेमाल ना तो मर्यादा के लिए किया। नाही नैतिकता के लिए किया है। उल्टा आंख बंद करके सरकार की मदद करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। ऐसी स्थिति में यह भी माना जा सकता है, पर उपदेश कुशल बहुतेरे। आज केंद्र में गठबंधन की सरकार है। भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, ऐसी स्थिति में सहयोगी दलों को सत्ता पक्ष से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख ने विश्वास दिलाने की यह बात की है। संघ लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका, सरकार की जिम्मेदारी तथा सभी पक्षों को नैतिकता और मर्यादा का पाठ पढ़ाते हुए, मोदी सरकार को सशक्त बनाने के लिए उनका यह एक प्रयास माना जा रहा है। आम लोगों के बीच में यह धारणा बनने लगी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा के लोग समय-समय पर जो कहते हैं। वह करते नहीं है, जो करते हैं, वह कहते नहीं हैं। सामने से कुछ और पर्दे के पीछे से कुछ और कहा जाता है। जिसके कारण संघ की प्रमाणिकता में संदेह होने लगा है। संघ के प्रचारक और स्वयंसेवक जिस तरह से सत्ता द्वारा, संगठन में

लाये जा रहे हैं। भाजपा संगठन में अन्य विचारधाराओं के लोग बड़ी तेजी के साथ प्रमुख पदों में बैठाये जा रहे हैं। उसमें सबसे ज्यादा नुकसान संघ को ही हो रहा है। संघ के पास अब वैसे स्वयंसेवक और प्रचारक नहीं बचे हैं। जो एक विचारधारा को लेकर जन समुदाय के बीच लगातार सक्रिय होते थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में संघ और भाजपा का विशाल संगठन होते हुए, जिस तरह की पराजय का सामना करना पड़ा है। उससे सबक लेने की जरूरत है। मीठी-चुपड़ी बातें और भय का असर ज्यादा देर तक नहीं रहता हैं। यह डिजिटल मीडिया का जमाना है। पहले क्या कहा था, आप क्या कह रहे हैं, बीच में क्या किया है, अब यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। ऐसी स्थिति में संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान को सत्ता पक्ष और विपक्ष किस तरह से लेगा, कहना मुश्किल है। इतना जरूर है, संघ प्रमुख ने जो कहा है, वह 100 फ़ीसदी सही है। कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। संघ का भाजपा में प्रभाव है। सत्ता से इसकी शुरुआत होनी चाहिए। एक-दूसरे के ऊपर विश्वास और भरोसा बढ़ेगा, तभी सामाजिक समन्वय बढ़ेगा सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी जिम्मेदारियां को समझते हुए भविष्य के लिए आगे बढ़ेंगे। इसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत के विचारों का वास्तविक स्वरूप प्रयास किए जाते हैं तो यह राष्ट्रीय हित में होगा।

बाल श्रम पर लगे लगाम

(12 जून विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विशेष)

किसी देश के बच्चे अगर शिक्षित और स्वस्थ्य होंगे तो वह देश उन्नति और प्रगति करेगा और देश में खुशहाली आयेगी। लेकिन अगर बच्चे बचपन से ही किताबों को छोड़कर कल-कारखनों में काम करने लगेंगे तो देश समाज का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा। इसीलिये बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है। देश में आज भी करोड़ों बच्चे स्कूलों की बजाए कल-कारखानों, ढाबों और खतरनाक कहे जाने वाले उद्योगों में कार्य कर रहे हैं. जहां दो पेट के भोजन की शर्त पर उनका बचपन और भविष्य तबाह हो रहा है।

बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। यह दिवस बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का थीम आइए अपनी मांगों पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें! इस दिन जागरूकता बढ़ाने, बदलाव की पहल करने और बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने बाल श्रम पर कहा है कि पिछले तीन दशकों के इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर मूल कारणों को दूर कर दिया जाए तो बाल श्रम को खत्म किया जा सकता है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से साल 2002 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरुआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इन सबके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है।

भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप में विराजमान है।

वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्ट्री में काम कर या अलग अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं, जिन्हें न तो किसी कानून की जानकारी है, और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। भारत में ये बाल श्रमिक कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश व जवाहरात, पीतल व कांच, बीड़ी उघोग, हस्तशिल्प, सूती होजरी, नारियल रेशा, सिल्क, हथकरघा, कढ़ाई, बुनाई, रेशम, लकड़ी की नक्काशी, फिश फीजिंग, पत्थर की खुदाई, स्लेट पेंसिल, चाय के बागान में कार्य करते देखे जा सकते हैं। लेकिन कम उम्र में इस तरह के कार्यों को असावधानी से करने पर इन्हें कई तरह की बीमारियां होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जितने भी बच्चे बालश्रम में लिप्त हैं, वे या तो निरक्षर थे या पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें अधिकांश बच्चे बीमार पाए गए और कई बच्चे नशे के आदि भी थे।

बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिये तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिये।

पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है।

बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक घटना है। यूनीसेफ के अनुसार बच्चों का नियोजन इसलिये किया जाता है, क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता जैसे अन्य कारण भी हैं। बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के जरिए बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया है ताकि किसी काम में बच्चों को नियुक्त करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना के अलावा सजा भी बढ़ाई जा सके। संशोधित कानून सरकार को ऐसे स्थानों पर और जोखिम भरे कार्यों वाले स्थानों पर समय समय पर निरीक्षण करने का अधिकार देता है जहां बच्चों के रोजगार पर पाबंदी है।

संशोधित कानून के जरिए इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा को बढ़ाया गया है। बच्चों को रोजगार देने वालों को अब छह महीने से दो साल की जेल की सजा होगी या 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकेगा। पहले तीन महीने से एक साल तक की सजा और 10,000 से 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। दूसरी बार अपराध में संलिप्त पाए जाने पर नियोक्ता को एक साल से लेकर तीन साल तक की कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कानून के मुताबिक किसी भी बच्चे को किसी भी रोजगार या व्यवसाय में नहीं लगाया जाएगा। हालांकि स्कूल के समय के बाद या अवकाश के दौरान उसे अपने परिवार की मदद करने की छूट दी गई है।

समाज के प्रमुख लोगों को बाल श्रम को रोकने की दिशा में एक नई पहल करनी चाहिये। लोगों को बाल श्रम को रोकने के लिये समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करना चाहिये व बच्चो से काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनन कार्यवाही करवानी चाहिये तभी बाल श्रम पर रोक लग पायेगी। कानूनन कार्यवाही के डर से मालिक बाल श्रमिको को अपने यहां काम पर रखने से डरने लगेगें। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

अब भी बरकरार है हर पुराना खतरा

देश में आम चुनाव हो गए । गठबंधन की नयी सरकार बन गयी । विभागों का वितरण भी हो गया। छत्तीसगढ़ में हिंसा भी हो गयी ,और सबसे बड़ी बात की जिस मणिपुर की हिंसा पर प्रधानमंत्री आजतक नहीं बोले उसके बारे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अधिनायक डॉ मोहन भागवत भी बोल गए। इस सबके बावजूद असली बात ये है कि चुनाव से पूर्व देश जिन खतरों का समान कर रहा था ,वे सब आज भी बरकरार हैं।

आप गौर से देखें तो ये नई सरकार अल्पमत की और गठबंधन की सरकार जरूर हैं लेकिन इसका केवल नाम बदला हैं,काम नही। नई सरकार के हाथों में आज भी वे सब हथियार और सिपाहसालार हैं जो चुनाव से पहले आपके मंगलसूत्र के लिए खतरा बता रहे थे । आपकी भैंस खोले जाने का हौवा खड़ा कर रहे थे । हिन्दू-मुसलमान और धर्म के आधार पर आरक्षण को रोकने की बात कर रहे थे। यानि हौवा भी मौजूद हैं और हौवा खड़े करने वाले भी।

गठबंधन कि सरकार में ईडी और सीबीआई जैसे हिंसक चौपाये अभी भी गठबंधन कि अगुवाई कर रही भाजपा के पास हैं। यानि विपक्ष को कुचलने और परेशान करने के सारे औजार भाजपा ने अपने हाथों में रखे है। सहयोगी दलों को उन्हें छूने भी नहीं दिया,क्योंकि मुमकिन हैं कि आने वाले कल में इन हथियारों का इस्तेमाल भाजपा को अपने गठबंधन के साथियों के खिलाफ ही करना पड़े ! अतीत में भाजपा ने ऐसा किया भी हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने जिस हिकमत अमली से नए मंत्रियों को विभागों का वितरण किया हैं उससे साफ़ जाहिर हैं कि उनकी निगाहें कहीं और निशाना कहीं और हैं। माननीय का देश को कांग्रेस विहीन करने का सपना अभी मरा नहीं हैं बल्कि शीतनिन्द्रा में चला गया हैं। जैसे ही आने वाले दिनों में महाराष्ट्र,जम्मू-कश्मीर और हरियाणा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों कि घोषणा होगी इस सरकार के छिपे हुए नाखून फिर से बाहर निकल आएंगे । आपको पता हैं न कि नाखून छिपाने की कला केवल हिंसक प्रवृत्ति के जानवरों में होती हैं,भले ही वे जंगली जानवर हों या पालतू।

आपको भूलना नहीं चाहिए कि भाजपा 365 दिन, 24 घंटे चुनावी मोड में रहने वाली पार्टी हैं। इसलिए ये पार्टी अपना 2029 और 2047 तक का सपना पूरा करने के लिए आने वाले दिनों में क्या कुछ करेगी,कहना कठिन हैं। मै तो मश्विरा दूंगा कि नयी सरकार में इतने सारे विभागों के साथ एक पृथक विभाग चुनावों का होना चाहिये । इसका प्रभार माननीय प्रधानमंत्री खुद अपने पास रखें। इस विभाग के लिए बजट के साथ ही चुनाव केयर फंड भी बनाया जाना चाहिए प्रधानमंत्री केयर फंड की तरह। इस तरह के फंड का कोई हिसाब-किताब न रखना पड़ता हैं और न देना पड़ता हैं। और यदि गिरीश मुर्मू जैसा सीएजी हो तो इसकी जांच भी कोई नहीं कर सकता।

बहरहाल बात चल रही थी उन खतरों की जो बरकरार है। पहला खतरा संविधान पर ही हैं। माननीय ने भले ही संसदीय दल ,गठबंधन और सदन का नेता चुने जाने से पहले संविधान की प्रति को माथे से लगाया था लेकिन देश में शायद ही किसी को इस बात पर यकीन हो कि नयी सरकार संविधान की कसम खाकर सबके साथ सबका विकास करेगी। नई सरकार में देश कि 20 करोड़ की मुस्लिम आबादी का कोई प्रतिनिधि नहीं है। माननीय राष्ट्रपति चाहें भी तो इस समाज के किसी प्रतिनिधि को सदन में नामजद कर उसे मंत्री बनाने के लिए भी नहीं कह सकतीं। उनके हाथ बंधे हैं। यानी भाजपा हिन्दू राष्ट्र तो नहीं बना सकी लेकिन उसने देश को एक हिन्दू सरकार जरूर दे दी ,जिसमें भाजपा की दुश्मन नंबर दो मुसलमान बिरादरी नहीं है। भाजपा की दुश्मन नंबर एक तो कांग्रेस हैं ,जो बीते दस साल में मर कर भी नहीं मर रही । हर चुनाव के बाद दोगुने उत्साह से खड़ी हो जाती है। भले ही सत्ता उसके लिए अभी भी कोसों दूर हैं

सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत का बयान हैं जो उन्होंने नई सरकार को समझाइश बतौर दिया हैं। डॉ मोहन भागवत की भागवत को भाजपा पहले ही सुनने से इंकार कर चुकी है। चुनावों के बीच में ही भाजपा अध्यक्ष माननीय जेपी नड्डा जी ने अपने श्रीमुख से कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने एकदम सही कहा था । भाजपा को भले संघ की जरूरत न हो किन्तु संघ को तो भाजपा कि जरूरत है। संघ ने तो आजतक नहीं कहा कि उसे भाजपा की जरूरत नहीं हैं ? संघ प्रमुख शंकराचार्य की मुद्रा में नयी सरकार को सीख दे रहे हैं कि नई सरकार जलते मणिपुर को देखे । विपक्ष को प्रतिपक्ष समझे। डॉ भागवत ने भाजपा को बेनकाब करते हुए मुजाहिरा किया हैं कि इस बार भी हमने अपने लोकमत जागरण का काम किया है. वास्तविक सेवक मर्यादा का पालन करते हुए चलता है. अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक करना आवश्यक है.लेकिन क्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के असली शंकराचार्यों की बात न मानने वाले लोग संघ के शंकरचार्य की बात मानेंगे ?

चूंकि मै अविनाशी नहीं हूँ इसलिए मेरे पास कोई तीसरा नेत्र नहीं हैं ,किन्तु मेरे पास एक अंतर्चेतना हैं जो मुझे आगाह करती है। मुझे लगता हैं कि जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी ,उनकी भाजपा ने अपना एजेंडा नहीं बदला हैं उसी तरह संघ ने भी अपना एजेंडा नहीं बदला हैं। डॉ भागवत ने कहा, हजारों वर्षों से जो पाप हमने किया, उसका प्रायश्चित करना होगा। भारतोद्भव जो लोग हैं, उनसे मिलना आसान है क्योंकि इसकी एक ही बुनियाद है। वही यम नियमात्मक आचरण का पुरस्कार सर्वत्र है। पैगंबर साहब का इस्लाम क्या है, सोचना पड़ेगा ? ईसा मसीह की ईसाइयत क्या है सोचना पड़ेगा ? भगवान ने सबको बनाया है। भगवान की बनाई जो कायनात है, उसके प्रति अपनी भावना क्या होनी चाहिए सोचना पड़ेगा ? जाहिर हैं कि ये एक छिपी हुई धमकी हैं उन लोगों के लिए जिन्हें भाजपा और संघ भारतीय नहीं मानता। इन लोगों में 20 करोड़ मुस्लिम ही नहीं बल्कि वे लोग भी हैं जो प्रश्न करते हैं,जो अंधविश्वास के खिलाफ खड़े होते हैं। जो संविधान की बात करते हैं। जिनकी भाषा माननीयों को अर्बन नक्सलियों की भाषा लगती हैं। जिसे बोलने वाले शाहजादे नजर आते हैं।

बहरहाल गठबंधन कि नई सरकार को लख-लख बधाइयां ,नए मंत्रियों को उनके नए विभाग मुबारक। खासतौर पर मध्यप्रदेश के कोटे से मंत्री बनाये गए मामा शिवराज सिंह को बधाई ,क्योंकि उन्हें वो जिम्मेदारी दी गयी हैं जो उनके मित्र नरेंद्र सिंह तोमर नहीं निभा पाए थे । तोमर के हिस्से में एक नाकाम कृषि मंत्री होना ही आया था। तोमर के दामन पर 700 किसानों की शहादत के चिन्ह हैं (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

विपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल

चुनाव में हार जीत लगा रहता है, या तो सत्ता मिलती है या सत्ता जाती है जीवन का गहरा, सच्चा और स्थायी सुख कब दूसरों के सुख के लिए जीने से मिलता है किसी भी स्थिति के लिए जनता का फैसला सर्वमान्य होता है जिसे स्वीकार करना चाहिए सत्ता मिलने पर जाने का भय भी एक चुनौती होती है सत्ता ना मिलने पर चिंता नहीं करनी चाहिए, जनता की सेवा में लग जाना चाहिए क्योंकि दूसरों को सुख देनेवाला व्यक्ति कभी दुःखी नहीं हो सकता है। न हि कल्याणकृत् कश्चित् दुर्गतिं तात गच्छति (गीता) अर्थात् दूसरों के सुख के लिए जीनेवाल व्यक्ति कभी दुःखी नहीं होता है। अपना अपमान अथवा अपनी हानि करनेवालो के भी दुःख में सुख ढूँढ़नेवाला कभी सुखी नहीं हो सकता। जीवन का सत्कार करनेवाला सबसे प्रेम करता है, सबको यथाशक्ति, यथासम्भव सुख देने का प्रयत्न करता है। मानवमात्र के प्रति प्रेम करना ही मानव का सबसे बड़ा बल है। जीवन दीर्घ हो या लघु, महान् होना चाहिए। सबसे प्रेम करनेवाला, सबको सुख पहुँचानेवाला व्यक्ति सबसे बड़ा है। अच्छी प्रकार जिया हुआ लघु जीवन निरर्थक दीर्घ जीवन की अपेक्षा अधिक अच्छा है। जब तक जीवन रहे, समस्त भय छोड़कर सबको सुख देते रहें। प्रभु से अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए प्रार्थना करें। दूसरों की मंगलकामना करे से अपना भी मंगल हो जाता है। सबके लिए जीनेवाला व्यक्ति मरकर भी अमर रहता है। दूसरों के लिए जीना, दूसरों के लिए प्रार्थना करना, दूसरों के सुख के लिए स्वयं दुःख उठाना, सच्चे सुख की सच्ची राह है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ समय के लिए अकारण ही मानसिक उदासी और उत्फुल्लता का दौर आता रहता है। उदासी के दौर में निराशा को घर करने न देना चाहिए तथा समझ लेना चाहिए कि वह दौर स्वयमेव निकल जायगा। उत्फुल्लता के दौर में किसी उत्तम कर्म में जुट जाना चाहिए। सब प्रकार के पश्चात्ताप छोड़ दें। भूलों पर पछतावा करते रहने से शक्ति कुण्ठित होती है। अपनी पुरानी भूलों को पाप की संज्ञा देकर अपने को पापी एवं कलंकित मान बैठना और आत्मग्लानि की दलदल में धँसे रहा महापाप है। भूतकाल को स्वप्न की भाँति मिथ्या समझकर उसके साथ अपना नाता तोड़ दीजिये और वर्तमान को उल्लासमय बनाने का सच्चा प्रयत्न कीजिए। भूल को स्वीकार करने से भूल का अन्त हो जाता है। सत्ता ना मिलने पर ये समझ लेना चाहिए जनता हमारे व्यवहार से दुःखी है और एक ही गलती को हम बार-बार दोहरा रहे हैं हाँ, सत्पुरुष अपनी भूल को स्वीकार करने में नहीं हिचकता है, क्योंकि भूल स्वीकार करने से मन हलका होता है तथा सुधार प्रारंभ हो जाता है। भूल मानते ही गलत पग को पीछे हटा लेना तथा भूल करते न रहना शूरवीर का काम है। आगे सँभलकर चलें और आगे बढ़ें। पूर्ण कौन है ? किससे कभी भूल नहीं होती ? कौन सदैव सफल होता है ? भूल अथवा विफलता हो गयी तो आत्मग्लानि की क्या बात है ? बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ। दूसरों के सामने रो-रोकर पुरानी भूलों के गीत गाने से भूलों के संस्कार दृढ़ होते हैं, शक्ति का ह्रास होता है तथा उत्साह का क्षय होता है। पुरानी भूलों के स्मरण में उलझे रहने से प्रगति ही अवरुद्ध हो जाती है।

सच्चा पछतावा वह है जो दोष को भस्म करके शीघ्र ही स्वयं भी विलुप्त हो जाये तथा आप भविष्य के लिए संकल्प लेकर शांत एवं शीतल हो जायँ और तत्पश्चात् बार-बार भूलों को न याद करें, न दुःख मानें। ग्लैडस्टोन ने कहा था कि कोई मनुष्य बहुत-सी और बड़ी-बड़ी भूलें बिना किये हुए कभी बड़ा या भला नहीं बना। चुनाव हारने वाले दल, जो सरकार बनाने में असफल रहते हैं, विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं तथा वे सरकार के कामकाज, नीतियों तथा असफलताओं की आलोचना करने का महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं। वे तानाशाही सत्ता को अपनाने से सरकार को रोकते हैं। इसके लिए विरोधी दल सदन में कुछ विधियों का प्रयोग करते हैं जैसे - अविश्वास प्रस्ताव और ध्यानकर्षण। विधायिका से बाहर भी वे सरकार की संगठित आलोचना जारी रखते हैं। विरोधी पक्षों का काम विरोध करना, पोल खोलना तथा सत्ता से उतारना माना जाता है। इस प्रकार उनका उद्देश्य देश में एक बेहतर शासन सुनिश्चित करना होता है। महान गायत्रीसाधक आचार्य पं श्री राम शर्मा ने कहा है कि जिस शिक्षा में समाज और राष्ट्र की बात नहीं हो, वह सही नहीं कही जा सकती।अतः राष्ट्र सर्वोपरि है सभी दलों को राष्ट्र को ही हमेशा सबसे बड़ा है उसके प्रति ही सोचना चाहिए और ऐसा नहीं करना चाहिए जिससे सेना को अपमान सहना पड़े और पड़ोसी दोस्त जो हमारी पिठ में छुरा ही नहीं तलवार घोंप रहा हो वह राष्ट्रविरोधी बयान से खुश होविपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल है कारण अपने राज्य में कई दल उसके अलग हो कर चुनाव लड़ा है और आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार कांग्रेस के गठबंधन से हुई है ममता की पार्टी ने कांग्रेस खिलाफ लड़ा तभी 29सीट मिले और अब इण्डिया गठबंधन में भी है कमल की बात है. आज 20-30सीट वाली पार्टी प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रही है इतना मालूम होना चाहिए माननीय राष्ट्रपति पहले बड़े दल को ही सरकार को आमंत्रित करती है यानि जनादेश को भी देखना चाहिए की बड़ी पार्टी बीजेपी है जो 240सीट लाई है और बड़ी पार्टी है एन डी ए को 292 सीट मिली है यानि सरकार तो बनाना तय है और हुआ विपक्ष को 99सीट क्यों मिले इसपर ग़ौर करना चाहिए। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8035

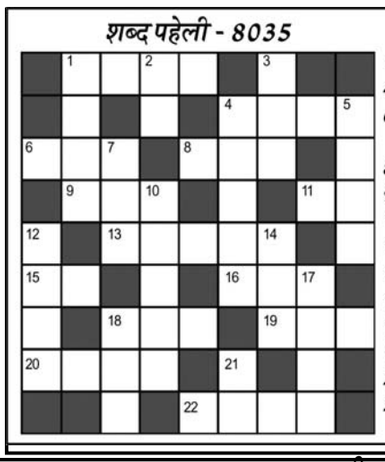

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोध्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8034 का हल

क	दा	चा	र		स	त	ल	ज
ल		य	ती	म	खा	ना		हा
प	र			दा			चा	ल
ना	च		क	री	ब		ल	त
	ना	च	ना		ला	ल	च	
आ	का		त	ह	त		ल	क
रा	र			सी			न	या
ध		न	वी	न	त	म		म
ना	म	क	र		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

नामीबिया को हराकर सुपर आठ में जगह पक्की करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार को यहां कम नामीबिया के खिलाफ ग्रुप बी मुकाबले में बढ़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ में जगह तय करने उतरतेगी। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक अपने दोनो ही मुकाबले जीते हैं और अब उसका लक्ष्य नामीबिया जेसी कमजोर टीम को बड़े अंतर से हराना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक इस इस टूर्नामेंट में 200 रन से अधिक बनाने वाली अकेली टीम है। इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट पर 201 रन बनाकर मुकाबले में 36 रनों से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में ओमान को 39 रन से हराया था। इस प्रकार उसके दो मैच में दो जीत से चार अंक हैं। वहीं स्कॉटलैंड की टीम तीन मैच में पांच अंक के साथ शीर्ष पर है। नामीबिया को हराकर ऑस्ट्रेलिया का सुपर आठ में पहुंचना पक्का हो जाएगा। इसके बाद टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप बी का अपना अंतिम मैच खेलेगी। वहीं स्कॉटलैंड के पास गत चैंपियन इंग्लैंड को हराकर सुपर आठ में पहुंचने का अवसर है।

इंग्लैंड के दो मैच में एक अंक हैं। स्कॉटलैंड के खिलाफ उसका पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले अभ्यास मैच में नामीबिया को सात विकेट से हराया था जिससे विरोधी टीम इस बार भी उसके खिलाफ दबाव में रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर शानदार फार्म में चल रहे हैं। वार्नर ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक लगाया जबकि इंग्लैंड के खिलाफ 16 गेंद में 39 रन बनाये थे। अब वह एक बार फिर इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। वार्नर के सलामी जोड़ीदार ट

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के बीच ही घरेलू बाजार भी उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 76,680.90 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 76,860.53 के उच्च और 76,296.44 अंक के निचले स्तर पर रहा और अंत में 0.04 फीसदी करीब 33.49 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 76,456.59 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी 0.02 फीसदी तकरीबन 5.65 अंक की हल्की तेजी के साथ ही 23,264.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर सबसे ज्यादा 1.64 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही टाटा मोटर्स, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, एचडीएफ़सी बैंक के शेयर भी बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर कोटक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 1.44 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस, सन फार्मा, एक्सिस बैंक के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी।

आज कारोबार के दौरान 13 प्रमुख क्षेत्रों में से सात में बढ़त रही। तेल और गैस के शेयरों में 1.33 फीसदी की तेजी आई। वहीं गत सप्ताह लगभग 3.4 फीसदी बढ़ने के बाद निफ्टी इस सप्ताह अब तक लगभग 0.1 फीसदी गिरा है।

इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिलेजुले संकेतों की वजह से बाजार लाल निशान में खुले। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी अपने पिछले बंद से मामूली गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 25 अंक गिरकर 76,464 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 0.06 फीसदी नीचे आकर 23,244 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स पर एनटीपीसी, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन टुब्रो, एचसीएल टेक एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावरग्रिड टॉप गेनर्स की लिस्ट में रहे, जबकि एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स में रहे। निफ्टी 50 पर आयशर मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स और एचयूएल टॉप 5 गेनर्स में ।

पीएम मोदी ने नई सरकार में सीसीएस में नहीं किया बदलाव चार पावरफुल मंत्रालयों की कमान अपने भरोसेमंद लोगों को सौंपी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश की नई सरकार और लगातार तीसरी बाद पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों के शपथ ग्रहण बाद पीएम मोदी ने सभी 71 मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का जिम्मा सौंप दिया है, लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) मंत्रालयों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चार पावरफुल मंत्रालयों की कमान अब भी पुराने हाथों में ही है। गृह, वित्त, विदेश और रक्षा, ये वो मंत्रालय हैं जो पहले उन्हीं नेताओं के पास है। इससे एक बात तो साफ है कि पीएम मोदी इन सभी मंत्रियों की पिछली परफॉर्मेंस से खुश हैं।

मोदी 3.0 सरकार में भी गृह मंत्रालय अमित शाह को विदेश मंत्रालय एस जयशंकर को वहीं राजनाथ सिंह और निर्मला सीतारमण को भी उनके पिछले मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कैबिनेट में सीसीएस सबसे अहम समिति है, दरअसल ये समिति राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी फैसले लेने में अहम भूमिका निभाती है। गृह, वित्त, रक्षा और विदेश ये चारों मंत्रालय सीसीएस के तहत आते हैं। पीएम मोदी ने अपनी कैबिनेट कुछ इस तरह से बनाई है कि ये चारों मंत्रालयों पर बीजेपी का कब्जा रहे। इसमें इस बार भी बदलाव न कर ये तो साफ हो गया है कि मोदी सरकार की नीतियां अब भी उतनी ही सख्त हैं। बता दें कि पीएम मोदी ने लोक शिकायत, कार्मिक और पेंशन, अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विकास और सभी महत्वपूर्ण मंत्रालय जो किसी को आवंटित नहीं किए हैं।

मोदी सरकार में बीजेपी के घटक दलों का भी ख्याल रखा गया है। सहयोगी दलों जैसे जेडीयू, लोक जनशक्ति पार्टी, हम पार्टी, टीडीपी समेत तमाम ऐसे दल है, जिनको अहम जिम्मेदारी कैबिनेट में दी गई है। जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी को भारी उद्योग और इस्पात मंत्री, तो एलजेपी के चिराग पासवान को खेल मंत्री बनाया गया है। राममोहन नायडू को नागरिक उड्डयन (सिविल एविएशन) मंत्री, राजीव रंजन सिंह (लल्लन सिंह) को पंचायती राज, मछली, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग फिर खुला

बाल्टीमोर (ईएमएस)। बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग अपनी पूरी क्षमता के साथ फिर खुल गया है। 'फ्रांसिस स्कॉट की' पुल 26 मार्च को क्षतिग्रस्त हो गया था, जिस कारण बंदरगाह पर समुद्री यातायात कई दिन तक अवरुद्ध रहा था। अधिकारियों ने मार्ग को फिर से खोलने की घोषणा की। पटाप्सको नदी से करीब 50 हजार टन स्टील और कांक्रीट निकालने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया गया था, जिसके बाद कहीं जाकर यह मार्ग फिर से खुला है।

एक मालवाहक जहाज के अनियंत्रित होकर पुल के एक खंभे से टकराने के बाद उसका एक हिस्सा ढह गया था, जिसके मलबे के कारण यह मार्ग अवरुद्ध हो गया था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी। सभी मृतक लैटिनो आप्रवासी थे, जो पुल पर गड्ढों को भरने के लिए रातभर काम कर रहे थे। देश के अन्य बंदरगाहों की तुलना में बाल्टीमोर बंदरगाह के जरिये अधिक कारों और कृषि उपकरणों का आवागमन होता है। यह बंदरगाह मलबे को हटाये जाने के दौरान कई सप्ताह तक प्रभावी रूप से बंद रहा।

हालांकि चालक दल कई चरणों में मार्ग के कुछ हिस्से को फिर से खोलने में सक्षम रहा, जिससे हाल के हफ्तों में कुछ हद तक वाणिज्यिक यातायात बहाल हो पाया। लगभग दो महीने से मलबे के बीच फंसे मालवाहक जहाज डाली को 20 मई को निकाला गया और वापस बंदरगाह की ओर ले जाया गया।

भारत में रेपो रेट छोड़िए....पड़ोसी मुल्कों की रेपो रेट देखकर आंखें फटी रह जाएंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में भी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया और पिछले 16 माह से 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इस कारण होम, ऑटो सहित सभी तरह के खुदरा लोन अभी महंगे बने हुए हैं। लोन की ब्याज दरें तय करने में रेपो रेट का सबसे बड़ा योगदान होता है, क्योंकि इसी आधार पर सभी बैंक अपने कर्ज की ब्याज दर तय करते हैं। कोरोनाकाल खत्म होने के बाद आरबीआई ने लगातार 6 बार ब्याज दरें बढ़ाते हुए रेपो रेट 2.50 फीसदी महंगा कर दिया था। हालांकि, पड़ोसी देश पाकिस्तान की हालत देखकर यह रेपो रेट कुछ नहीं है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने भी अगस्त, 2023 के बाद से अपनी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अगस्त में पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने 0.10 फीसदी ब्याज घटाकर 3.45 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से अभी तक यही ब्याज दर चल रही है। वहीं बांग्लादेश में केंद्रीय बैंक की बुनियादी ब्याज दर अभी 8.5 फीसदी है। बांग्लादेश बैंक ने पिछले महीने इसमें 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इसके अलावा सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका ने भी 27 मई को हुई बैठक में रेपो रेट 9.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इसके अलावा नेपाल में भी केंद्रीय ब्याज दर 7 फीसदी है, जो 2024 की शुरुआत में 6.68 फीसदी थी। नेपाल में सबसे ज्यादा ब्याज दर जुलाई, 2022 में 8.5 फीसदी और सबसे कम मार्च, 2020 में 5 फीसदी थी।

वहीं पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने कई साल बाद अपने रेपो रेट में कटौती की है और महंगाई काबू में आने के बाद रेपो रेट 1.5 फीसदी घटा दिया है। बावजूद इसके पाकिस्तान का मौजूदा रेपो रेट 20.5 फीसदी है। अंदाजा लगा सकते हैं कि पाकिस्तान के बैंक होम और ऑटो लोन के लिए खुदरा ग्राहकों से कितना ब्याज वसूल रहे है।

चीन में सोने की मांग घटी कम हुई पीली घातु की कीमत

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्याज दर कटौती में देरी, अमरीका में उम्मीद से अधिक नौकरियां सृजित होने और चीन में सोने की मांग घटने से पिछले तीन दिन में अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ भारत में सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। सोना अपने ऑल-टाइम हाई से 6 प्रतिशत यानी 3300 रुपए से भी अधिक टूट गया है। इतना ही नहीं विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का केंद्रीय बैंक अगर जून में भी सोने की खरीदारी नहीं करता है, तब इसकी कीमतें और गिर सकती हैं।

पिछले तीन दिन में एमसीएक्स और घरेलू सर्राफा बाजारों में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2200 रुपए से भी अधिक घटी है। ग्लोबल मार्केट में 22 मई को स्पॉट गोल्ड 2,449.89 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था, जो अब 2300 डॉलर के नीचे है। इसतरह एमसीएक्स पर भाव 74,442 रुपए की रिकॉर्ड ऊंचाई पर था जो अब 71,000 रुपए के नीचे है। हालांकि, मई में ग्लोबल स्तर पर पहली बार गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा है। एम्फी के मुताबिक, मई में भारत में भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 4 माह के शीर्ष पर पहुंच गया। देश के कुल 17 गोल्ड ईटीएफ में मई के दौरान 827.43 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ।

चीन के केंद्रीय बैंक की ओर से सोने की खरीदारी पर जो ब्रेक लगा है उसका असर कीमतों पर दिख रहा है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मई में चीन के गोल्ड रिजर्व में कोई बदलाव नहीं हुआ। जबकि इससे पहले लगातार 18 महीने तक चीन के गोल्ड रिजर्व में इजाफा हुआ था। अप्रैल में चीन का गोल्ड रिजर्व 2 टन बढकर 2,264 टन पर पहुंच गया। हालांकि, चीन के गोल्ड रिजर्व में यह 18 महीने की सबसे कम बढ़ोतरी थी। अक्टूबर 2022 की तुलना में यह तकरीबन 319 टन यानी 16.5 प्रतिशत ज्यादा है। चीन के केंद्रीय बैंक ने वर्ष 2023 के दौरान अपने गोल्ड रिजर्व में 225 टन का इजाफा किया, जिससे गोल्ड की कीमतें आसमान पर पहुंच गईं।

बांड से 30 हजार करोड़ जुटाएगी नाबार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) बॉन्ड के माध्यम से 30,000 करोड़ रुपये तक जुटाने पर ?विचार कर रही है ताकि ऋण देने के कार्यों में मदद की जा सके। यह जानकारी एक रेटिंग एजेंसी ने दी है। बाजार के माध्यम से जुटाई गई पूंजी में बॉन्ड और मुद्रा बाजार से जुड़ी योजनाएं आदि शामिल हैं और मार्च 2024 के अंत में नाबार्ड की कुल उधारी में इनकी लगभग 51.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। क्रिसिल के आकलन के अनुसार, सरकारी स्वामित्व वाले विकास वित्तीय संस्थान (डीएफआई) की कुल उधारी मार्च 2024 तक 7,89,191 करोड़ रुपये थी। क्रिसिल ने प्रस्तावित बॉन्ड पेशकश को 'एएए' की रेटिंग दी है जिसे भारत सरकार का समर्थन है। वित्त वर्ष 2024 के बैलेंसशीट के मुताबिक बकाया बॉन्ड और डिबेंचर, मार्च 2024 में 2,86,150 करोड़ रुपये था जो एक साल पहले के 2,46,677 करोड़ रुपये से अधिक था। इस प्रकार डिबेंचर व बॉन्ड के माध्यम से उधारी वित्त वर्ष 2024 में 39,473 करोड़ रुपये बढ़ी।

सोना 71,200, चांदी लगभग 88,800 हजार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में मंगलवार को सुस्ती देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। शुरुआत में सोने के वायदा भाव 71,200 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में दोनों के वायदा भाव में नरमी देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की गिरावट के साथ 71,251 रुपये के भाव पर खुला।

चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 922 रुपये की गिरावट के साथ 89,100 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,248 रुपये की गिरावट के साथ 88,774 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस वै?श्विक में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। लेकिन बाद में इनके भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,329.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,327 डॉलर प्रति औंस था।

इस समय यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,320.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.95 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.87 डॉलर था। इस समय यह 0.52 डॉलर की गिरावट के साथ 29.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चीन में चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की शिक्षण यात्रा के दौरान अमेरिका के आयोवा कॉलेज के चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल हो गए। उनके स्कूल और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा आयोवा के माउंट वर्नोन में एक निजी उदार कला महाविद्यालय, कॉर्नेल कॉलेज के चार प्रशिक्षक सार्वजनिक पार्क में सैर कर रहे थे तभी उन पर चाकू से हमला कर दिया गया जिसमें वे घायल हो गए। स्कूल के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने बयान में हमले की पुष्टि की है। सामूहिक चाकूबाजी का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, कई लोगों को संदेह है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव की वजह से ऐसा हुआ है। कॉर्नेल के अध्यक्ष, ब्रांड ने कहा कि हमें पता चला है कि चीन में एक यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी के तहत पढ़ाने वाले चार कॉर्नेल प्रशिक्षक एक गंभीर घटना में घायल हो गए हैं। हम सभी चार प्रशिक्षकों के संपर्क में हैं और इस दौरान उनकी सहायता कर रहे हैं।

विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी रिपोर्टों से अवगत हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। चीनी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई बयान नहीं आया। आयोवा राज्य प्रतिनिधि एडम ज़बनेर ने पुष्टि की कि उनके भाई, डेविड ज़बनेर, पीड़ितों में से एक थे। उन्होंने कहा कि उनके भाई के हाथ में चाकू लगने से टांके लगे हैं और वह अस्पताल में भर्ती है। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने कहा कि वह इस भयानक हमले के जवाब में आयोवा के संघीय प्रतिनिधिमंडल और विदेश विभाग के संपर्क में हैं। यह हमला उस समय हुआ जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, यू.एस. और चीन, समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयास के तहत लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रही हैं। पिछले नवंबर में अमेरिका की यात्रा के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि बीजिंग अगले पांच वर्षों में 50,000 युवा अमेरिकियों को आदान-प्रदान और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए चीन आमंत्रित करने के लिए तैयार है। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका में लगभग 300,000 चीनी छात्र हैं, जबकि चीन में 900 से कम अमेरिकी अध्ययन कर रहे हैं। हालाँकि चीन में दुनिया के कुछ सबसे सख्त बंदूक नियंत्रण कानून हैं, लेकिन चाकू से हमले असामान्य नहीं हैं।

अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था लडख़ड़ाई, दवाओं की भारी कमी से मर रहे मरीज

वॉशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर व शक्तिशाली देश की हैल्थ व्यवस्था इतनी बुरी तरह से लडख़ड़ा गई हैं कि दवाओं की भारी कमी से मरीज मर रहे हैं। अमेरिका एक दशक में दवाओं की कमी को लेकर सबसे खराब स्थिति का सामना कर रहा है। यह कमी मुख्य रूप से इंजेक्टेबल जेनेरिक दवाओं में है, जिससे रोगी देखभाल पर भारी असर पड़ रहा है। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हेल्थ-सिस्टम फार्मासिस्ट (एएसएचपी) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 की पहली तिमाही में अमेरिका में दवाओं की कमी 10 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। कमी से प्रभावित शीर्ष पांच दवा वर्गों में कैंसर के उपचार में इस्तेमाल की जाने वाली कीमोथेरेपी दवाएं शामिल हैं, जिनमें से कई के विकल्प नहीं हैं। जानकारी के अनुसार भारत समेत दुनिया के कई कैंसर मरीज इस उम्मीद से अमेरिका इलाज कराने जाते हैं कि वहां उन्हें हर वो सुविधा मिलेगी, जो उनके देश में उपलब्ध नहीं है लेकिन उसी अमेरिका के अस्पताल इन दिनों कैंसर की दवाओं की भारी कमी से जूझ रहे हैं।

अमेरिका जैसे शक्तिशाली और अमीर देश के कैंसर उपचार केंद्रों में एक दर्जन से अधिक जीवन रक्षक दवाओं की कमी होने से वहां के स्वास्थ्य महकमे की व्यवस्था लडख़ड़ा गई है। विशेषज्ञों का कहना है अमेरिका में केवल कैंसर ही नहीं बल्कि अन्य जरूरी दवाओं की कमी भी होने लगी है। एनबीसी के मुताबिक इसका पहला कारण है सार्वजनिक स्वास्थ्य में गहराता संकट, जो इन दिनों बजट और फंड की कमी से जूझ रहा है। यहां हाल के महीनों में दर्जनों जीवन रक्षक दवाओं की कमी देखी गई इनमें सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लाटिन भी शामिल हैं। करीब सभी केंद्रों पर इन दोनों आवश्यक दवाओं की कमी हो गई है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी (एसीएस) और इसके एडवोकेसी सहयोगी, अमेरिकन कैंसर सोसायटी कैंसर एक्शन नेटवर्क (एसीएस सीएएन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एमबीए, पीएचडी, कैरन ई. नुडसन ने एक बयान में कहा, कुछ कैंसर दवाओं की कमी पूरे देश में कैंसर रोगियों के लिए एक गंभीर और जानलेवा मुद्दा बन गई है। मैंने उन रोगियों और चिकित्सकों से सुना है जो इन कमियों के प्रभाव को सीधे अनुभव कर रहे हैं।

अगर इजरायली सेना आगे बढ़े तो बंधकों को मार दो गोली : हमास

-संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध विराम के अमेरिका के प्रस्ताव को दी मंजूरी

गाजा,(ईएमएस)। गाजा के रफाह में इजराइली हमलों के बीच हमास के नेताओं ने अपने लोगों से कहा है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना आगे बढ़ रही है, तो वह बंधकों को मार दें। इस आदेश के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

इजरायली अधिकारियों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में बंधकों को रखने वाले हमास ने अपने सैनिकों को आदेश दिया गया है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना आगे बढ़ रही है, तो वे बंधकों को गोली मार दें। हाल ही में इजरायली रक्षा बलों ने गाजा के नुसेरात से चार बंधकों को बचा लिया था। इजरायली अधिकारियों ने हमास के इस दावे को खारिज कर दिया है कि तीन बंधकों की मौत इजरायली हवाई हमलों में हुई थी। उनका कहना है कि इन मौतों के जिम्मेदार हमास के आतंकी ही हैं।

बता दें कि सात अक्टूबर को जब हमास के आतंकवादियों ने इजरायल पर हमले के बाद 200 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था, तब से इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार इन लोगों का पता लगाने और उन्हें बचाने का प्रयास कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी और इजरायली खुफिया और सैन्य विश्लेषकों का एक सेल बंधकों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए ड्रोन और उपग्रहों का इस्तेमाल कर रहा है। इज़राइल अब तक सात बंधकों को बचाने में कामयाब रहा है लेकिन, कई लोग या तो संघर्ष के दौरान या अपहरणकर्ताओं के हाथों मारे गए हैं।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में युद्ध विराम योजना का समर्थन करने वाले अमेरिका के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा यह मसौदा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव की अपील करता है। इसमें शामिल सभी पक्षों से बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के इसे पूरी तरह लागू करने का आग्रह किया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि इज़राइल ने युद्धविराम योजना पर सहमति जताई है और हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया गया है। हमास ने जवाब में कहा कि वह सुरक्षा परिषद के वोट का स्वागत करता है। इसके बावजूद, शांति का मार्ग चुनौतियों से भरा हुआ है। हमास के अधिकारियों ने मांग की है कि किसी भी युद्धविराम समझौते में संघर्ष के स्थायी अंत की गारंटी होनी चाहिए।

युद्धविराम का भविष्य अनिश्चित है। प्रस्तावित योजना में छह सप्ताह का युद्धविराम शामिल है, जिसके दौरान इज़राइल गाजा के आबादी वाले केंद्रों से हट जाएगा, और हमास बंधकों को रिहा कर देगा। बातचीत का उद्देश्य युद्धविराम को आगे बढ़ाना और दुश्मनी का स्थायी समाधान खोजना है। मतदान के बाद, इजरायली राजनयिक रीट शापिर बेन नफ्ताली ने दोहराया कि संघर्ष तभी समाप्त होगा जब इजरायल के लक्ष्य पूरे हो जाएंगे, जिसमें बंधकों की पूरी तरह रिहाई और हमास का खात्मा शामिल है। उन्होंने कहा कि हमास कूटनीति के जरिए बंधकों को रिहा करने से इनकार करने से यह साबित हो गया है कि हमारे बंधकों को वापस लाने के प्रयास में सैन्य साधनों का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने परिषद के फैसले पर आशा व्यक्त की है, जिसमें युद्ध विराम को लागू करने का दायित्व इजरायल पर डाला है। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इस प्रस्ताव को गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है।

धरती पर मौजूद 73 हजार तरह के पेड़

-पेड़ों की 9200 प्रजातियां अभी खोजा जाना है शेष

रोम (ईएमएस)। पृथ्वी पर पेड़ों की 73,000 प्रजातियां मौजूद हो सकती हैं जिसमें 9,200 ऐसी प्रजातियां शामिल हैं जिन्हें अभी खोजा जाना बाकी है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इन अनदेखी प्रजातियों में से ज्यादातर दुर्लभ और बहुत कम संख्या में हैं। इनके मानव विकास से खतरे में होने की संभावना है। दक्षिण अमेरिका में दुनिया की लगभग 43 प्रतिशत पेड़ प्रजातियां हैं। दुनिया की सबसे दुर्लभ पेड़ प्रजातियां भी यहां पाई जाती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि महाद्वीप को वैश्विक उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय वनों के साथ-साथ पेड़ों के संरक्षण प्रयासों का केंद्र होना चाहिए क्योंकि ये जंगल कई दुर्लभ और अनदेखी प्रजातियों का घर हैं। यह अध्ययन तीन साल की एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना का नतीजा है। इसमें लगभग 150 वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया और 64,000 प्रजातियों से संबंधित लगभग 4 करोड़ पेड़ों की पहचान की गई। बोलोग्ना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अध्ययन के प्रमुख लेखक रॉबर्टो कैज़ोला गट्टी ने कहा पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने के लिए पेड़ों के विकास और विविधता की व्यापक जानकारी होना बेहद जरूरी है। यह अध्ययन ग्लोबल फॉरेस्ट बायोडायवर्सिटी इनिशिएटिव के तहत किया गया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सुपर कम्प्यूटर्स का इस्तेमाल करके जटिल सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। इस विश्लेषण और गणना के पूरे होने के बाद शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि हमारे ग्रह पर करीब 73,300 पेड़ प्रजातियां हैं। इसमें 14 फीसदी प्रजातियां अभी भी अज्ञात हैं। बता दें कि मानव आबादी और महासागर के बाद जो धरती बचती है उसके एक बड़े हिस्से पर जंगल मौजूद हैं। दुनिया में इंसानों की गिनती तो की जा सकती है लेकिन पेड़ों की गिनती करना लगभग असंभव है।

टी20 विश्वकप : अमेरिका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम,रात 8 बजे से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। भारतीय टीम बुधवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट में होने वाले अपने तीसरे मुकाबले में मेजबान अमेरिकी टीम के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैचों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम ने अपने दूसरे मैच में जिस प्रकार पाकिस्तान को हराया उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। अब भारतीय टीम का लक्ष्य जीत की इस लय को बनाये रखना होगा।

भारतीय टीम के गेंदबाजों ने पाक के खिलाफ 119 रनों के लक्ष्य का बचाव कर दिखाया है कि वह किसी भी प्रकार के बल्लेबाजी क्रम को ढ़हा सकते हैं। बल्लेबाजों का हालांकि इस मैच में देखकर खेलना होगा। पिछले मैच में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे। भारतीय टीम अब इस मैच में अमेरिकी टीम पर जीत दर्ज कर सुपर आठ में पहुंचना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान अमेरिकी टीम टीम भले ही अनुभवहीन है पर उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है। उसने पाक को आसनी से हराया था।

नासाउ काउंटी मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल नहीं रही है पर भारतीय बल्लेबाज पाक के खिलाफी की गलतियों से सबक लेना चाहेंगे। उस मैच में भारतीय टीम ने 30 रन के अंदर अपने अंतिम सात विकेट गंवा दिए थे। अमेरिका के खिलाफ कमजोर रवैया भारत को भारी पड़ सकता है क्योंकि यह टीम पहले पाकिस्तान को भी हरा चुकी है। अमेरिका की टीम में कप्तान मोनंक पटेल सहित भारतीय मूल के कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका भारत की तरफ से खेलने का सपना पूरा नहीं हो पाया था। इनमें सौरभ नेत्रवलकर और हरमीत सिंह भी शामिल हैं जिन्होंने अपनी टीम की तरफ से अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और ये इस मैच में अपने को साबित करना चाहेंगे।

पिच के व्यवहार ने भले ही टीमों के बीच अंतर को कम कर दिया है पर अमेरिका के लिए भारतीय टीम को हराना संभव नहीं होगा। अमेरिका की टीम दूसरी भारतीय टीम की तरह नजर आती है क्योंकि उसमें भारतीय मूल के आठ खिलाड़ी हैं। इसके अलावा पाकिस्तानी मूल के दो तथा वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड का एक खिलाड़ी उसकी टीम का हिस्सा है।

पाकिस्तान पर सुपर ओवर में जीत दर्ज करने के बावजूद अमेरिका के खिलाड़ियों की खास चर्चा नहीं है पर भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन उन्हें क्रिकेट जगत में पहचान दिला सकता है। ऐसे में मोनंक पटेल, हरमीत, नेत्रवलकर, जेसी सिंह और नोशतुश केंजीगे बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। इनके सामने रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी हों तो मुकाबला आकर्षक होना तय है। कोहली और रोहित जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना या बुमराह जैसे गेंदबाज का सामना करने का मौका हमेशा नहीं मिलता है और ऐसे में अमेरिकी खिलाड़ियों के लिए यह अपनी क्षमताओं को आंकने का अच्छा अवसर होगा।

भारतीय टीम टॉस जीतने पर निश्चित तौर पर पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। अगर भारत पहले गेंदबाजी करती है तो फिर बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों के सामने अमेरिका के लिए 100 रन बनाना भी कठिन रहेगा। पिछले मैच में शिवम दुबे असफल रहे थे। ऐसे में उनकी जगह यशस्वी जायसवाल को अवसर मिल सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांडया, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद. सिराज

अमेरिका : मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नीतीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

साउथ कोरिया में घुसे नॉर्थ कोरियाई सैनिक

सियोल(ईएमएस)। साउथ कोरिया ने पड़ोसी देश नॉर्थ कोरिया की सीमा के पास फायरिंग की है। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के करीब 20-30 सैनिकों ने डीमिलिट्रलाइज्ड जोन पर दोनों देशों की सीमा को पार किया था। इसके बाद उन्हें वॉर्निंग देने के लिए साउथ कोरिया की सेना ने फायरिंग की।

रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद नॉर्थ कोरिया के सैनिक वापस अपने देश लौट गए। साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि नॉर्थ कोरिया के सैनिकों के पास कंस्ट्रक्शन टूल थे। वे वहीं कुछ के पास हथियार भी मौजूद थे। वे साउथ कोरिया की सीमा के 50 मीटर अंदर तक आ गए थे।

साउथ कोरिया की मिलिट्री ने जांच के बाद संभावना जताई है कि नॉर्थ कोरिया के सैनिक अनजाने में सीमा पार कर गए थे। दरअसल, दोनों देशों की सीमा को बांटने वाली लाइन पर साफ तौर पर साइन नहीं लगा है, जिसकी वजह से धोखा होने की आशंका रहती

अर्जुन मोढवाडिया ने पोरबंदर से भारी बढ़त पर जीत दर्ज की, मानावदर में लदानी २८ हजार से ज्यादा वोटों से जीते

अहमदाबाद, ११ जून ।

गुजरात में २५ लोकसभा सीट के साथ ही गुजरात विधानसभा की ५ सीटों पर भी उपचुनाव आयोजित हुए थे। जिसमें बीजेपी ने सभी ५ विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। विधान सभा के माननीय सभापति श्री शंकर भाई चौधरी ने आज गुजरात विधान सभा की विभिन्न सीटों पर उपचुनावों में विजयी हुए जन प्रतिनिधियों को विधायक पद की शपथ दिलाई।

इन पांचों विजयी उम्मीदवारों को आज विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने विधायक पद की शपथ दिलायी। इसके साथ ही अब विधानसभा में सीटों की संख्या १५६ से बढ़कर ऐतिहासिक १६१ हो गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सभी नियुक्तविधायकों को बधाई दी। इनमें पोरबंदर से अर्जुन मोढवाडिया, वीजापूर से सी जे चावडा, मानावदर से अरविंद लाडानी, खंभात से चिराग पटेल और वाघोडिया से धर्मेंद्र सिंह वाघेला चुनाव जीते हैं। ५ में से चार विधायक कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जुड़े थे और उप चुनाव लड़े थे। धर्मेंद्र सिंह वाघेला निर्दलीय चुनाव जीते थे फिर इस्तीफा दिया और फिर भाजपा से जुड़कर चुनाव जीते हैं। विधानसभा में भाजपा का संख्याबल अब १६१ पहुंच गया है।

पोरबंदर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवार अर्जुन मोढवाडिया ने १,१७,००० वोटों के अंतर से जीत हासिल की है।

कांग्रेस प्रत्याशी शजू ओडेदरा को १६,०९६ वोटों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। पोरबंदर कांग्रेस के दिग्गज नेता अर्जुन मोढवाडिया कुछ समय पहले ही बीजेपी में शामिल हुए। उन्हें बीजेपी ने उम्मीदवार घोषित किया क्योंकि पोरबंदर सीट पर मेर, लोहाना और ब्राह्मण जाति ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। पिछले सात चुनावों में से चार बार यहां बीजेपी के बाबू बोखिरिया और तीन बार कांग्रेस से अर्जुन मोढवाडिया चुने गए हैं।

मनावादर विधानसभा सीट पर बीजेपी ने २८,८६५ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की है. बीजेपी उम्मीदवार अरविंद लदानी ७५,१५६ वोटों से जीते। कांग्रेस उम्मीदवार हरिभाई कंसागरा को ४६,२९२ वोटों से हार का सामना करना पड़ा। इस सीट को दलबदल के नाम से जाना जाता है क्योंकि यहां से चुने गए प्रतिनिधि विधायक बनने के बाद दलबदल लेते हैं।

वाघोडिया विधानसभा सीट पर बीजेपी ने ८२१०८ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की। कांग्रेस उम्मीदवार कानू गोहिल ४५,३३८ वोटों से हार का सामना करना पड़ा। इस सीट पर क्षत्रियों बनाम क्षत्रियों के बीच वास्तविक लड़ाई हुई। जिसमें धर्मेंद्र सिंह वाघेला ने जीत हासिल की।

बीजापुर विधानसभा सीट पर बीजेपी ने ५६२२८ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की है। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सी. जे चावड़ा १००६४१ वोटों से जीते। ऐसे में कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश पटेल को ४४४१३ वोटों से हार का सामना करना पड़ा। ठाकोर और पटेल जाति के प्रभुत्व वाली बीजापुर विधानसभा सीट पर मुस्लिम मतदाता कम हैं। कांग्रेस का गढ़ रही सीट पर पिछले नौ चुनावों में पांच बार कांग्रेस और चार बार बीजेपी ने जीत हासिल की है। यहां २०२२ के चुनाव में ७०५३ वोटों से कांग्रेस से जीतने के बाद चावड़ा ने इस्तीफा दे दिया और बीजेपी में शामिल हो गए।

बीजेपी ने ३८,३२८ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की। बीजेपी उम्मीदवार चिराग पटेल ८८,४५७ वोटों से जीत गए। कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र परमार ५०१२९ वोटों से हार गए। पटेल बहुल खंभात सीट पर ओबीसी, क्षत्रिय, दलित और मुस्लिम मतदाता निर्णायक हैं। मध्य गुजरात में भले ही कांग्रेस का दबदबा था लेकिन १९९५ से २०१७ तक यह सीट बीजेपी के हाथ में रही। १९९५ से भाजपा का गढ़ रही यह सीट २०२२ में कांग्रेस के चिराग पटेल ने छीन ली, जो फिर से भाजपा के पास चली गई है।

गुजरात विधानसभा उप चुनाव जीत कर आए पांच नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

गांधीनगर (ईएमएस)लोकसभा के आम चुनाव के साथ ही गुजरात की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी कराए गए थे उपचुनाव में नवनिर्वाचित 5 विधायकों ने आज विधानसभा की सदस्यता की शपथ ली विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने पोरबंदर, विजापुर, माणावदर, खंभात और वाघोडिया क्षेत्र से नवनिर्वाचित 5 विधायकों को शपथ दिलाई पांच विधायकों के शपथ लेते ही 182 सीटों वाली गुजरात विधानसभा में भाजपा का संख्याबल 161 हो गया है जबकि कांग्रेस के केवल 13 सदस्य रह गए हैं मंगलवार को शपथ लेने विधायकों में पोरबंदर से अर्जुन मोढवाडिया हैं जो कांग्रेस के दिग्गज नेता थे और गत 4 मार्च 2024 को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर 5 मार्च को भाजपा में शामिल हो गए थे भाजपा ने उन्हें पोरबंदर से उम्मीदवार बनाया और वह जीतकर फिर एक बार विधानसभा पहुंच गए हैं माणावदर से नवनिर्वाचित विधायक अरविंद लाडाणी भी 14 मार्च को कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे माणावदर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी हरिभाई कणसागरा को हराकर अरविंद लाडानी ने जीत हासिल की विजापुर से कांग्रेस विधायक रहे सीजे चावड़ा भी 19 जनवरी 2024 को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था और उन्होंने भाजपा जॉइन कर ली थी सीजे चावडा से विजापुर से फिर एक बार चुने गए हैं खंभात विधानसभा सीट से जीत दर्ज करनेवाले चिराग पटेल भी कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे भाजपा ने चिराग पटेल को ही खंभात से उम्मीदवार बनाया और वह उपचुनाव जीतकर विधानसभा पहुंच गए हैं वडोदरा की वाघोडिया सीट से निर्दलीय विधायक रहे धर्मेन्द्रसिंह वाघेला ने 25 जनवरी को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया और बाद में उन्होंने भी भाजपा जॉइन कर ली 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को हरानेवाले धर्मेन्द्रसिंह वाघेला फिर एक बार वाघोडिया से जीत गए हैं

पाटिल बने मंत्री, प्रदेश भाजपा को नए अध्यक्ष की तलाश, गुजरात बीजेपी में बड़े बदलाव की तैयारी

गांधीनगर, ११ जून ।

गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल को केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने के बाद अब प्रदेश संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी शुरु हो गई है। पाटिल की अगुवाई में गुजरात भाजपा विधानसभा की १८२ में से १६१ सीटों तक पहुंची है। उधर राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं हाल ही विधानसभा उपचुनाव में जीतने वाले अर्जुन मोढवाडिया को मंत्री बनाने की प्रबल संभावना है।

गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल को केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने के बाद अब प्रदेश संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी शुरु हो गई है। पाटिल की अगुवाई में गुजरात भाजपा, विधानसभा की १८२ में से १६१ सीटों तक पहुंची है। उधर राज्यमंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं, हाल ही विधानसभा उपचुनाव में जीतने वाले अर्जुन मोढवाडिया व सी जे चावडा को मंत्री बनाने की प्रबल संभावना है।

लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई सरकार का गठन हो गया लेकिन अब गुजरात सरकार व संगठन में भारी बदलाव की अटकलें लगाई जा रही है। दक्षिण गुजरात की नवसारी सीट से पाटिल चौथी बार सांसद बने हैं तथा यह चुनाव उन्होंने राज्य में सबसे अधिक ७ लाख ७३ हजार मतों के अंतर से चुनाव जीता है। २०२२ के विधानसभा चुनाव में पाटिल ने अध्यक्ष रहते विधानसभा की १८२ में से १५६ सीट पर जीत दिलाई थी।

हाल ही आम चुनाव के साथ गुजरात की ५ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सभी ५ सीटों पर भाजपा की जीत हुई, इसके बाद अब राज्य में भाजपा विधायकों की संख्या रिकार्ड १६१ पहुंची है। लोगों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाटिल जैसे कद्दावर नेता को कैबिनेट मंत्री के रूप में रिटर्न गिफ्ट दी है। उनके केंद्र में मंत्री बनने के बाद अब गुजरात भाजपा अध्यक्ष पद के लिए नये नेता की तलाश शुरु हो गई है।

प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी यज्ञेश दवे ने बताया कि राज्य भाजपा के प्रमुख को कैबिनेट मंत्री बनाया जाना गौरव की बात है और अब प्रदेश संगठन में नये अध्यक्ष के साथ बदलाव की तैयारियां शुरू हो गई है।

पीएम मोदी ने पाटिल को कैबिनेट मंत्री बनाकर रिटर्न गिफ्ट दिया, राज्य में भाजपा को हाल कोई चुनौती नहीं है

अध्यक्ष का चुनाव केंद्रीय आलाकमान को करना है, राज्य में भाजपा को हाल कोई चुनौती नहीं है।

मुख्यमंत्री पद पर पाटीदार नेता होने के कारण प्रदेश अध्यक्ष पद किसी गैर पाटीदार के खाते में जा सकती है। इस पद के लिए खेडा से तीसरी बार सांसद बने पूर्व केंद्रीय मंत्री देवूसिंह चौहाण का नाम खासा चर्चा में है। पीएम मोदी ने पाटिल को कैबिनेट मंत्री बनाकर रिटर्न गिफ्ट दिया, राज्य में भाजपा को हाल कोई चुनौती नहीं हैकच्छ सुरक्षित सीट से दूसरी बार सांसद बने विनोद चावडा, पूर्व सांसद किरीट सिंह सोलंकी का नाम भी चर्चा में है। जामनगर से तीसरी बार सांसद चुनी जाने वाली पूनम माडम राज्य भाजपा की पहली अध्यक्ष हो सकती हैं।

दूध के बाद अब दही के भी दाम बढ़ाए अमूल डेयरी ने

अहमदाबाद, ११ जून ।

अमूल ब्रांड नाम से डेयरी उत्पाद बेचने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ ने दूध की कीमतों में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। लोकसभा चुनाव के खत्म होने के ठीक पहले देशभर में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अमूल ने फिर दही के दाम बढ़ा आमजन को चिंता में डाल दिया है। सभी पर एक बार फिर महंगाई की मार पड़ने जा रही है।

अमूल ब्रांड नाम से डेयरी उत्पाद बेचने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ ने दूध की कीमतों में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। लोकसभा चुनाव के खत्म होने के ठीक पहले देशभर में दूध की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अमूल ने फिर दही के दाम बढ़ा आमजन को चिंता में डाल दिया है। सभी पर एक बार फिर महंगाई की मार पड़ने जा रही है।

अमूल मस्ती दही की कीमतें : अमूल मस्ती दही के अलग-अलग पैक्स में १ से १० रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। अमूल मस्ती दही २०० ग्राम पुरानी कीमत १८ रुपए थी, नई कीमत १९ रुपए अमूल मस्ती दही ४०० ग्राम पुरानी कीमत ३४ रुपए थी, नई कीमत ३५ रुपए अमूल मस्ती दही १ किलो पुरानी कीमत ७२ रुपए थी, नई कीमत ७५ रुपए अमूल मस्ती दही १ किलो बाल्टी पुरानी कीमत १०० रुपए थी, नई कीमत ११० रुपए गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ अमूल ब्रांड नाम के तहत दूध और दही, पनीर, मक्खन जैसे उत्पादों का निर्माण और बिक्री करता है। विभाग ने हाल ही में फिर से अमूल मस्ती दही की कीमतों में भी बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। अमूल की बढ़ोतरी के बाद मदर डेयरी, सुधा समेत अन्य डेयरी ब्रांड भी अपने प्रॉडक्ट्स के दाम बढ़ा सकते हैं।

गुजरात में भाजपा की हैट्रिक रोकने वाली गेनीबेन ठाकोर का कांग्रेस करेगी सम्मान

अहमदाबाद (ईएमएस)गुजरात में भाजपा की क्लीन स्वीप की हैट्रिक की उम्मीदों पर पानी फेरने वाली बनासकांठा से निर्वाचित गेनीबेन ठाकोर गुजरात कांग्रेस सम्मान करेगी अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में गेनीबेन के सम्मान में 13 जून को समारोह का आयोजन किया गया है यह सम्मान समारोह गुजरात कांग्रेस प्रभारी मुकुल वासनिक की उपस्थिति में होगा जिसमें गुजरात कांग्रेस के नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे बता दें कि लोकसभा चुनाव में गेनीबेन ठाकोर कांग्रेस की एक मात्र ऐसी प्रत्याशी हैं जिन्होंने जीत हासिल की है उत्तर गुजरात की बनासकांठा लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा प्रत्याशी रेखाबेन चौधरी को 30604 वोटों के अंतर से हराया है कांग्रेस प्रत्याशी गेनीबेन ठाकोर को 671883 वोट मिले थे जबकि भाजपा उम्मीदवार रेखाबेन चौधरी को 641477 वोट मिले गुजरात से लोकसभा में कांग्रेस का वनवास खत्म करने वाली गेनीबेन ठाकोर का 13 जून को दोपहर 2 बजे सम्मान करेगी 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी 2024 के चुनाव में भाजपा का लक्ष्य गुजरात में क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगाना था लेकिन गेनीबेन ठाकोर ने बनासकांठा सीट जीतकर भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया

गुजरात में चार दिन पहले पहुंचेगा सभी जिलों में मानसून

अहमदाबाद, ११ जून ।

गुजरात में लोगों को जल्द ही तेज गर्मी से राहत मिलने वाली गई है। मंगलवार को यहां मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार राज्य में मानसून चार दिन जल्दी आया है। आमतौर पर यहां १५ जून तक मानसून पहुंचता है।

गुजरात में लोगों को जल्द ही तेज गर्मी से राहत मिलने वाली गई है। मंगलवार को यहां मानसून ने दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार राज्य में मानसून चार दिन जल्दी आया है। आमतौर पर यहां १५ जून तक मानसून पहुंचता है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मंगलवार को गुजरात में दस्तक दी और इसकी उत्तरी सीमा राज्य के दक्षिणी हिस्से में नवसारी जिले से होकर गुजरी।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने आईएमडी अहमदाबाद के वैज्ञानिक शमाश्रय यादव के हवाले से बताया कि अगले दो दिनों में गुजरात के सभी जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिशहोनेकीउम्मीद है। इधर गांधीनगर स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने कहा कि मंगल वार सुबह ६ बजे समाप्त हुए २४ घंटों में कई जिलों में अलग-अलग इलाकों में १-४० मिमी तक बारिश हुई।

एसईओसी ने कहा कि महिसागर जिले के संतरामपुर और पंचमहल के मोरवा हदफ में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक ४० और २७ मिमी बारिश हुई। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश के साथ ३०-४० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिजली गिरने और हवा चलने की संभावना है। आईएमडी पहले ही कह चुका है कि भारत में जून में सामान्य बारिश होने की संभावना है।

निजी प्रकाशन के कर्मचारी ने कंपनी के साथ की 22 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस)अंग्रेजी और गुजराती भाषा में किताबें प्रकाशित करने वाली जानी-मानी कंपनी भाविक प्रकाशन के साथ 29.80 लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। भावनगर में कंपनी के सेल्समैन के रूप में काम करने वाले एक कर्मचारी के खिलाफ कंपनी ने अहमदाबाद के सोला पुलिस थाने में 29.80 लाख रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई है पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है जानकारी के मुताबिक भाविक प्रकाशन अंग्रेजी और गुजराती भाषाओं में किताबें प्रकाशित करता है। भाविक प्रकाशन में महेश परमार नामक शख्स 2013 से सेवारत था, जो भावनगर जिले में बतौर सेल्समैन काम करता था आरोपी महेश परमार भावनगर के विभिन्न स्कूलों और स्टेशनरी स्टोरों में भाविक प्रकाशन की किताबें सप्लाई करता था। साल 2013 से लेकर अब तक महेश ने जितनी भी स्कूलों और स्टेशनरी स्टोर्स पर जो भी किताबें दी थीं, उनके फर्जी बिल बनाकर पैसे तो वसूल लिए लेकिन कंपनी में जमा नहीं किए। एक साल पहले कंपनी ने महेश से 29.80 लाख की उगाही की, जो उसने फर्जी बिलों के जरिए स्कूलों और स्टेशनरी स्टोर से वसूले थे रुपए लौटाने के बजाए महेश ने कंपनी निदेशक पुलकित पटेल को धमकी भरे लहजे में कहा कि जो चाहे कर लो, रुपए नहीं मिलेंगे पुलकित पटेल ने शिकायत की तो समझौते के तौर पर महेश ने 22 लाख रुपए दो किश्तों में देने का स्टांप पेपर लिखकर वादा किया लेकिन महेश परमार ने जब अपने वादे के मुताबिक रकम नहीं लौटाई तो पुलकित पटेल ने महेश परमार के खिलाफ अहमदाबाद के सोला पुलिस थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवा दिया जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी महेश परमार को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है

श्रीराम मोबेलिटी बुलेटिन ने देश के लॉजिस्टिक उद्योग के बारे में बताई प्रमुख बातें

अहमदाबाद : जून माह का ठश्रीराम मोबिलिटी बुलेटिन' आज जारी हुआ। इस बुलेटिन में देश के ठलॉजिस्टिक' और ठऑटोमोबाइल सेक्टर' के बारे में कई रोचक जानकारियां दी गई हैं। बुलेटिन में मई माह के ठबिक्री' और ठरेंटल सर्विस' के कई आंकड़े एकत्र किए हैं। इनकी तुलना संबधित समय और आंकड़ों से कर एक पूरी तस्वीर पेश की गई है।

इसके अनुसार गर्मी में अत्यधिक तापमान बढ़ने और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट' घटने से देश के सभी प्रमुख मार्गों में ट्रक भाड़े में गिरावट आई। दिल्ली-कोलकाता- दिल्ली, दिल्ली-चेन्नई-दिल्ली और मुंबई-कोलकाता-मुंबई आदि रूट में ट्रक भाड़े में यह गिरावट देखने को मिली। लेकिन इसके साथ ही देश में मानसून सामान्य से बेहतर रहने की भविष्यवाणी के बाद मई के माह में ट्रेक्टर की बिक्री में 24ः की खासी बढ़ोतरी देखने को मिली। यह इस बात का संकेत है कि मानूसन के पहले मांग मजबूत है। इसी के साथ कमर्शियल ट्रेक्टर की बिक्री में भी 20ः का इजाफा हुआ।

श्रीराम फाइनेंस के एमडी व सीईओ वाईएस चक्रवर्ती कहते हैं,मई माह के दौरान चली लू से सड़कों पर ट्रकों की संख्या में 60ः तक की कमी आई। लेकिन अच्छे मानूसन का भरोसा जताए जाने के बाद मई माह में ट्रेक्टर की ग्रोथ लौटी। छुट्टी मनाने निकले लोग और चुनाव प्रचार और बढ़ी आयात-निर्यात की गतिविधियों से ईंधन की खपत और फॉस्टैग कलेक्शन में बढ़ोतरी हुई। गर्मी के उपभोक्ता सामान की मांग के चलते ट्रक का यातायात चलता रहा। यह लॉजिस्टिक नेटवर्क की मजबूती बताता है।

मुख्यमंत्री ने देश के गरीबों के लिए और 3 करोड़ मकान बनाने के निर्णय का स्वागत किया

गांधीनगर (ईएमएस)मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नवनियुक्त केन्द्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में पीएम आवास योजनांतर्गत देश के गरीबों के लिए और 3 करोड़ मकान बनाने के गरीब हितोन्मुखी निर्णय का स्वागत करते हुए अभिनंदन दिया है।

पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लगातार तीसरी बार देश के शासन का दायित्व संभालने के बाद यह प्रथम गरीबोन्मुखी निर्णय करमोदी 3.0 कार्यकाल में गरीब, वंचित, शोषित एवं बेघर जरूरतमंद परिवारों को पक्के मकान देने की प्रतिबद्धता की दिशा में यह पहला कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने देश के गरीब परिवारों को पक्का आवास प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2015-16 से प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ किए जाने की भी प्रशंसा की है।

भारत सरकार ने इस योजना के अंतर्गत पिछले 10 वर्षों में गरीब जरूरतमंद परिवारों के लिए 4.21 करोड़ मकानों का निर्माण किया है। इतना ही नहीं, इन आवासों में शौचालय, गैस कनेक्शन, विद्युत कनेक्शन तथा नल कनेक्शन जैसी बुनियादी व मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं।

शिश्वत मामले में वांछित साइबर क्राइम पीआई बी एम पटेल गिरफ्तार

अहमदाबाद, ११ जून ।

गुजरात एसीबी की टीम ने एक सप्ताह के बाद पीआई को पकड़ने में सफलता पाई है। एएसआई, हेड कांस्टेबल पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। गुजरात भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अहमदाबाद शहर साइबर क्राइम थाने के वांछित पुलिस निरीक्षक बी.एम.पटेल को १० हजार रुपए की घूस मामले में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम ने एक सप्ताह के बाद पीआई को पकड़ने में सफलता पाई है। इस मामले में एसीबी की टीम साइबर क्राइम थाने के एएसआई गौरांग कुमार गामेती और हेड कांस्टेबल अमथाभाई पटेल को गत सोमवार को ही १० लाख रुपए की रिश्वत स्वीकारते हुए रंगेहाथों पकड़ चुकी है। इस मामले में पीआई बी एम पटेल की गिरफ्तारी बाकी थी। वह फरार चल रहे थे।एसीबी के तहतअहमदाबाद शहर साइबर क्राइम थाने में उसके विरुद्ध क्रिकेट सट्टा बेटिंग का मामला दर्ज हुआ है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक ओनिक्स में ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की पेशकश की

स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपने उत्पादों में नए-नए प्रयोग करने की रणनीति को लगातार बरकरार रखते हुए, अपनी 5 स्टार सुरक्षित गाडियों में एक और अपग्रेड किया है। कंपनी ने कुशाक ओनिक्स एटी को लॉन्च किया है। स्कोडा के फैंस और उपभोक्ताओं को संतुष्टि तथा पैसा वसूल उत्पादि प्रदान करने के उद्देश्य के साथ ओनिक्स को 2023 की पहली तिमाही में मूल रूप से लॉन्च किया गया था। अब स्कोडा ऑटो इंडिया ने उपभोक्ताओं से मिले ताजा फीडबैक के आधार पर कुशाक ओनिक्स का अपग्रेडेड वर्जन लॉन्च किया है। इसमें ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन समेत कई नए फीचर्स हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में सबसे किफायती ऑटोमैटिक एसयूवी बनाते हैं।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेट्र जेनेबा ने कार में किए गए अपग्रेडेशन के बारे में कहा, ''ओनिक्स वैरिएंट हमारे लाइन-अप में एक महत्व पूर्ण संकलन है। इसमें एक्टिव ट्रिम की वैल्यू के साथ हायर वैरिएंट्स के कई फीचर्स शामिल किए गए हैं। उपभोक्ताओं से मिले फीडबैक के आधार पर इस नई कुशाक ओनिक्स को लॉन्च किया गया है, जो ज्यादा किफायती और उचित मूल्य पर ऑटोमैटिक कार की बढ़ती मांग की ओर इशारा करती है। दरअसल जिस कीमत पर कुशाक को उपभोक्ताओं को पेश किया गया है, वह इस पूरी श्रेणी में सबसे किफायती एसयूवी बनाता है।

जियो एयर फाइबर की सुपर स्पीड का सीक्रेट है, स्टैंडअलोन 5जी टेक्नोलॉजी – ओपन सिग्नल

दुनिया की प्रतिष्ठित मोबाइल नेटवर्क एनालिटिक्स कंपनी ओपनसिग्नल ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि जियो के स्टैंडअलोन 5जी नेटवर्क की वजह से ही जियो एयर फाइबर अपने ग्राहकों को शानदार स्पीड पर डेटा दे पाता है। ओपन सिग्नल का मानना है कि जियो की फिक्सड वायरलेस सर्विस यानी जियो एयर फाइबर के ग्राहक प्रतिमाह औसतन 400 जीबी डेटा की खपत करते हैं। यह खपत मोबाइल ग्राहकों की तुलना में काफी अधिक है। इसके बावजूद जियो एयर फाइबर की स्पीड और क्वालिटी स्कोर, 5जी मोबाइल नेटवर्क के समान बनी रहती है। बताते चलें कि जियो के 5जी नेटवर्क की स्पीड देश में सबसे ज्यादा है।

भारत के 'फिक्सड वायरलेस सर्विस' में अकेला रिलायंस जियो ही अभी स्टैंडअलोन 5जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है। ओपन सिग्नल के मुताबिक स्टैंडअलोन 5जी के साथ नेटवर्क स्लाइसिंग टेक्नोलॉजी भी जियो एयर फाइबर को डेटा खपत प्रबंधन में मदद करती है।

जिन इलाकों में ब्रॉडबैंड कवरेज कम है उन क्षेत्रों को नेटवर्क कवरेज में लाने के लिए रिलायंस जियो ने पिछले साल ही जियो एयर फाइबर लॉन्च किया था। जियो एयर फाइबर की सबसे अधिक मांग टियर -2 शहरों से आ रही है।

ग्राहकों को लुभाने के लिए जियो ने 599 रु से शुरू होने वाले कई किफायती प्लान भी लॉन्च किए हैं।

कंपनी का टारगेट 10 करोड़ परिसरों को इस सेवा से जोड़ने का है। कंपनी ने स्ट्रीमिंग प्लान की शुरुआत भी की है, जिसमें फिक्स्ड ब्रॉडबैंड पैकेज के साथ 15 स्ट्रीमिंग ऐप शामिल हैं।

NDDB, TERI और SRDI ने ग्रामीण आजीविका में सुधार और पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

आनंद 11 जून, 2024: राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीटयूट (टीईआरआई) और सुजुकी आर एंड डी सेंटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड संयुक्त रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, परिपत्र अर्थव्यवस्था, ग्रामीण विकास और अपशिष्ट प्रबंधन में विभिन्न पहलों को आगे बढ़ाएंगे। लिमिटेड (एसआरडीआई) ने 11 जून 2024 को नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग के पीछे का उद्देश्य हितधारकों को शमन उपायों की पहचान करके, कार्बन क्रेडिट विनिमय के लिए तंत्र विकसित करने और ग्रामीण आजीविका गतिविधियों के कार्बन फुटप्रिंट का आकलन करने के तरीकों और उपकरणों को विकसित करके कार्बन क्रेडिट उत्पन्न करने में मदद करके ग्रामीण आजीविका में सुधार करना है। इस समझौता ज्ञापन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए तीनों संगठन संयुक्त रूप से व्यापक अध्ययन, मूल्यांकन, प्रशिक्षण कार्यक्रम

भी चलाएंगे और अनुसंधान और प्रशिक्षण सुविधाएं भी साझा करेंगे।

एनडीडीबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. मिनेश शाह TERI के महानिदेशक डॉ. विभा धवन और एसआरडीआई निदेशक श्री केनिचिरो टोयोफुकु की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। ये सहयोगी गांवों के सतत विकास के लिए विभिन्न मंचों पर अपने शोध, तरीकों, निष्कर्षों और नीति समाधानों को एक साथ प्रस्तुत करने पर भी सहमत हुए। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. मिनेश शाह ने कहा, 'यह एमओयू सतत ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अपनी क्षमताओं और संसाधनों को मिलाकर हम नवोन्मेषी समाधान विकसित करने के लिए तैयार हैं जो न केवल ग्रामीण आजीविका में सुधार लाएगा बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता को भी बढ़ावा देगा।

इस सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए डॉ. विभा धवन ने कहा, 'TERI वर्ष 1974 में अपनी स्थापना के बाद से ही सतत विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अपने ज्ञान और अनुसंधान को व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़कर, हम सतत विकास के सामने आने वाली चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान प्रदान करते हैं।

श्री कनिचिरो टोयोफुकु ने कहा, 'सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की भारतीय सहायक कंपनी के रूप में एसआरडीआई परिवहन के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने पर केंद्रित है। हमारा एक मुख्य उद्देश्य परिवहन के लिए गोबर आधारित बायोगैस जैसे स्वच्छ ईंधन को अपनाना है।

मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर और स्नेहा उल्लाल ग्रैंड बिजनेस अचीवर्स अवॉर्ड 2024 पेश करेंगी

गुजरात को देश में व्यापार क्षेत्र का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है, इसमें अहमदाबाद भी सबसे आगे है और बहुप्रतीक्षित ग्रैंड बिजनेस अचीवर्स अवार्ड्स 2024 20 जून 2024 को शहर में आयोजित होने जा रहा है।

पुरस्कार समारोह का आयोजन ग्रैंड ब्यूटी अवार्ड्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक मोनिका शर्मा द्वारा किया गया है, जो देश और विदेश में अपने भव्य सेलिब्रिटी शो के लिए जानी जाती हैं। इससे पहले मोनिका शर्मा दुबई, थाईलैंड और भारत के कई राज्यों जैसे राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़ आदि में सेलिब्रिटी शो सफलतापूर्वक कर चुकी हैं। पुरस्कार समारोह अहमदाबाद के होटल रीजेंटा इन में भी आयोजित किया जाएगा। यह जीबीए का 13वां संस्करण होगा। समारोह में व्यापार क्षेत्र के गणमान्य लोग शामिल होंगे।

इसके अलावा मोनिका शर्माजी ने ग्रैंड बिजनेस अचीवर्स अवॉर्ड्स 2024 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में देश ही नहीं बल्कि पड़ोसी देशों जैसे श्रीलंका और बांग्लादेश से भी लोग हिस्सा लेंगे। इसमें उन व्यवसायियों और उद्यमियों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जिनका चयन उनकी प्रोफाइल, उपलब्धियों और कड़ी मेहनत के आधार पर ऑनलाइन किया गया है।

मोनिका शर्माजी देश में महिला सशक्तिकरण के लिए भी काम कर रही हैं। वह महिलाओं को विदेश भी ले जा रहे हैं और उन्हें मेकअप, हेयरस्टाइल आदि में अंतरराष्ट्रीय स्तर का कौशल आधार प्रशिक्षण देकर एक मंच दे रहे हैं। क्योंकि वह यह भी अच्छी तरह से समझते हैं कि जिन महिलाओं में प्रतिभा है उन्हें दिशा देने की जरूरत है, उन्होंने ऐसा किया है। यह उनके लिए रहा है इसके अलावा वह सामाजिक क्षेत्र में भी सफल होकर एक बेहतरीन उदाहरण बने हैं। इस साल उन्होंने पुरुषों के लिए एक नया प्लेटफॉर्म मुहैया कराया है जो दाढ़ी के लिए मशह